mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-59 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

01 मार्च 2025 शनिवार

दैनिक

मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

मेरे अंदर अब भी...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

बच्चों का अपहरण कर उन्हें 30-30 हजार में बेच देती थी महिला, कोर्ट के आदेश पर दी गई फांसी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने बच्चों का अपहरण कर उन्हें 30-30 हजार रुपये में बेचने वाली एक महिला को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद उसे फांसी पर लटका दिया गया। सूचना के अनुसार करीब एक दशक में 17 बच्चों का अपहरण और

उनकी तस्करी करने की दोषी चीनी महिला को शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिम गुइझोउ प्रांत के गुइयांग में फांसी दी गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी के मुताबिक यू हुआयिंग (62) पर 1993 से 2003 के बीच गुइझोऊ, चोंगकिंग और युन्नान सहित कई क्षेत्रों में बच्चों की तस्करी के लिए अन्य लोगों के साथ साजिश रचने का आरोप लगाया गया था। शिन्हुआ के मुताबिक उच्चतम जनवादी अदालत द्वारा मौत की सजा को मंजूरी दिए जाने के बाद गुइझोउ प्रांत के गुइयांग इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने मौत की सजा की प्रक्रिया पूरी की। गुइयांग की अदालत ने 25 अक्टूबर 2024 को दोषी महिला को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने उसकी निजी संपत्ति जब्त करने और आजीवन उसके राजनीतिक अधिकारों से वंचित करने का भी आदेश दिया था। यू को 2022 में यांग निउहुआ की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था।

बांग्लादेश में अब छात्रों को चढ़ा सत्ता का नशा, अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले साल हुए आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले छात्रों को अब सत्ता का सुरूर हो गया है। बांग्लादेशी छात्रों ने अब अपने नेतृत्व में देश में एक नये राजनीतिक दल का गठन करने का ऐलान किया है। छात्रों के इस

आंदोलन के कारण अगस्त 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को उखाड़ फेंका गया था। मध्य ढाका के माणिक मिया एवेन्यू में 'जातीय नागरिक पार्टी' या राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) की शुरुआत के लिए एक बड़ा मंच तैयार है, जिसका नेतृत्व भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन, जिसे स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) भी कहा जाता है, के प्रमुख नेता कर रहे हैं। छात्र आंदोलन ने बड़े पैमाने पर विद्रोह का नेतृत्व किया, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष पांच अगस्त को हसीना के 15 वर्षों से अधिक के शासन का अंत हुआ था। इस घटनाक्रम के तीन दिन बाद, मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला, जो प्रभावी रूप से प्रधानमंत्री थे। एनसीपी नेताओं ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि स्थापना समारोह में देश भर से छात्रों सहित लगभग तीन लाख लोग आएंगे। नयी पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ के एक प्रवक्ता ने कहा, जुलाई-अगस्त के जन-विद्रोह में अपनी जान देने वाले लोगों के परिवार के सदस्यों के साथ-साथ सभी 64 जिलों के लोग हमारे उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा, हमने प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं को भी आमंत्रित किया है।

हिमाचल के मंडी में फटा बादल

बाढ़ जैसे हालात, डूब गईं कई गाड़ियां

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के बारोट में बादल फटने की खबर सामने आ रही है। बादल फटने और उसके बाद आई तबाही का वीडियो भी हमारे पास मौजूद है। वहीं हिमाचल प्रदेश के कुल्लू शहर के बीचों-बीच बहने वाली सरवरी नाले में इतना पानी आ गया कि कई गाड़ियां इसकी चपेट में आई गईं। दरअसल इन दिनों इतनी बारिश होने की संभावना बेहद कम होती है। इसलिए लोगों ने नाले के बिल्कुल पास ही अपनी गाड़ियों को पार्क कर दिया था। इतना ही नहीं आसपास चल रहे निर्माण कार्यों का कचरा भी इस नाले में डाल दिया जाता है। बता दें कि सरवरी नाले के पास ही मलबा डालकर कुल्लू में दशहरा के दौरान अस्थायी पार्किंग बनाई गई थी। इसी पार्किंग में आज नाले का पानी बढ़ जाने की वजह से कई गाड़ियां डूब गई हैं। इसके अलावा गांधी नगर और अखाड़ा बाजार में भी नालों में मलबा आने से पानी का रुख बदल गया, जिससे पानी गलियों और लोगों के घरों में घुस गया। चंडीगढ़-मनाली राजमार्ग जगह-जगह भूस्खलन से बंद गया है। इसी तरह दर्जनों सड़क मार्ग, कुल्लू और मंडी जिले में बाधित हुए हैं, जबकि लाहौल स्पीति में बर्फबारी होने की वजह वहां से संपर्क कट गया है।

मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा दावा

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाने योजना में गायब हो गए 455 करोड़

नई दिल्ल (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को दावा किया कि सूचना के अधिकार कानून (आरटीआई) के तहत मिली जानकारी से पता चलता है कि सरकार की महत्वाकांक्षा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में 455 करोड़ रुपये ''गायब'' हो गए हैं। उनके इस दावे पर फिलहाल सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सूचना का अधिकार कानून से खुलासा हुआ है कि मोदी सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में 455 करोड़ रुपये ''गायब'' हो गए हैं। ''बहुत हुआ नारी पर वार'' वाले भाजपाई विज्ञापन की गूंज पिछले 10 वर्षों से उन सभी महिलाओं की चीखों का उपहास उड़ा रही है, जो भाजपा राज में और कभी-कभी भाजपा के गुंडों द्वारा प्रताड़ित हुई हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''हाल में पुणे में सरकारी बस में एक महिला का बलात्कार हो या मणिपुर व हाथरस की हमारी बेटियां हों, या फिर महिला

ओलिंपिक चैम्पियन हों, भाजपा राज में महिला सुरक्षा का नामोनिशान नहीं बचा है।'' खरगे ने कहा, ''हमने पिछले दिनों ही ''बेटी बचाओ'' पर मोदी जी से तीन सवाल पूछे थे, जिसमें से एक सवाल आंकड़े छिपाने पर भी था, आज आरटीआई के ताजे खुलासे से मोदी सरकार के झूठ की कलई एक बार फिर खुल गई है।'' बता दें कि बीते दिनों पुणे के स्वारगेट बस अड्डे में बस के अंदर 26 वर्षीय महिला से बलात्कार करने का मामला सामने आया था। इस मामले के आरोपी को शुक्रवार को शिरूर तहसील से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान दत्तात्रेय गाडे के रूप में हुई है, जोकि हिस्ट्रीशीटर है।

रविवार को रखा जाएगा पहला रोज़ा, जामा मस्जिद के इमाम का ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। शुक्रवार को रमज़ान का चांद नजर नहीं आया है। दिल्ली के जामा मस्जिद के

इमाम की तरफ से ऐलान किया गया है कि रविवार को पहला रोज़ा रखा जाएगा। शनिवार शाम चांद दिखने के साथ ही रमज़ान का महीना शुरू हो जाएगा। दुनियाभर के मुसलमान साल के सबसे पवित्र महीने रमज़ान के पहले दिन की तैयारी कर रहे हैं। अर्धचंद्राकार चांद दिखने के साथ ही रमज़ान के महीने में रोज़ा रखा जाएगा। ऐसे में शनिवार को चांद दिखने की पूरी संभावना है। रमज़ान इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने की शुरुआत और सूर्योदय से सूर्यास्त के बीच 29 से 30 दिनों के उपवास की अवधि की शुरुआत का प्रतीक है। मालूम हो कि रमज़ान इस्लाम धर्म का पवित्र महीना है, जो इस्लामी कैलेंडर (हिजरी) का नौवां महीना होता है। यह महीना मुसलमानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दौरान रोज़ा (उपवास) रखा जाता है।

तमिलनाडु में 13 हजार रुपये में नीलाम हुआ एक नींब

इस नींबू का इस्तेमाल मंदिर में अनुष्ठान में किया गया था

इरोड (एजेंसी)। तमिलनाडु के इरोड जिले में एक नींबू की नीलामी 13 हजार रुपये में हुई है। इस नींबू का इस्तेमाल इरोड के एक गांव के मंदिर में अनुष्ठान में किया गया था। मंदिर के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि आधी रात को आयोजित की गई सार्वजनिक नीलामी में एक खरीदार ने नींबू को 13 हजार रुपये में खरीदा। इसके अलावा बोली लगाने वालों ने चांदी की एक अंगूठी और चांदी के सिक्के पर भी बोली लगाई थी। बता दें कि तमिलनाडु के विभिन्न मंदिरों में अनुष्ठान में इस्तेमाल किए गए फलों और अन्य सामग्री की नीलामी होती है जिसे श्रद्धालु अच्छी कीमत में खरीदते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, वार्षिक महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर कई वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत विलक्केथी गांव के पजमथिन्नी करुप्पा ईश्वरन मंदिर में बुधवार की आधी रात को सार्वजनिक नीलामी आयोजित की गई थी। बता दें कि इस नीलामी के मौके पर श्रद्धालु मुख्य देवता की मूर्ति पर रखी गई पवित्र वस्तुओं के लिए बोली लगाते हैं, जिनमें एक नींबू, चांदी की एक अंगूठी और चांदी का एक सिक्का शामिल होता है। थंगराज नाम के एक शख्स ने 13,000 रुपये में नींबू खरीदा, जबकि अराचलुर

के चिदंबरम ने 43,100 रुपये में चांदी की अंगूठी खरीदी।

नीलामी के दौरान रविकुमार और बनुप्रिया ने संयुक्त रूप से चांदी के सिक्के के लिए 35 हजार रुपये की बोली लगाई। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि नीलामी के बाद वस्तुओं को विशेष पूजा के लिए देवता के समक्ष रखा गया। श्रद्धालुओं का मानना ??है कि इन वस्तुओं को रखने से उनके परिवार में समृद्धि आती है। बता दें कि पिछले साल तमिलनाडु के विलुप्पुरम जिले में स्थित भगवान मुरुगन के मंदिर में चढ़ाए गए 9 नींबू 2.36 लाख रुपये में नीलाम हुए थे। इनमें से एक नींबू को तो खरीदार ने 50,500 रुपये की रकम चुकाकर खरीदा था।

आगरा के युवक ने नशे में की आत्महत्या

पत्नी पर लगाया आरोप, वीडियो हुआ वायरल

चेन्नई (एजेंसी)। मुंबई में एक निजी कंपनी में बतौर प्रबंधक कार्यरत, आगरा के एक युवक ने यहां कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के बाद उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है जिसमें उसने अपनी पत्नी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सदर क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विनायक भोसले ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मुंबई की एक फर्म में मैनेजर और आगरा के डिफेंस कॉलोनी निवासी मानव शर्मा ने पिछले साल निकेता से शादी की थी। मानव ने 24 फरवरी की सुबह अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

उसके पिता नरेंद्र शर्मा द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, मानव (30) ने सुबह पांच बजे अपने कमरे में फांसी लगा ली। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 23 फरवरी को मानव और निकेता आगरा आये और मानव निकेता के

साथ उसके माता-पिता के घर गया, जहां कथित तौर पर उसका अपमान किया गया। वह अपनी पत्नी को लेकर अपने घर वापस आया और आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, आत्महत्या करने से पहले मानव ने अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए दोषी ठहराया। बृहस्पतिवार को दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने शुक्रवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद निकेता ने एक जवाबी वीडियो बयान जारी किया। अपने वीडियो में, निकेता ने आरोप लगाया कि मानव दुर्व्यवहार करता था, खासकर नशे में होने पर और उसने पहले भी आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसे रोकने के लिए उसने हस्तक्षेप किया था। एसीपी भोसले ने बताया कि मानव का पोस्टमार्टम 24 फरवरी को किया गया था, लेकिन तब कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। मानव की बहन ने बाद में उसके फोन पर वीडियो देखा, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। एसीपी भोसले ने बताया कि मानव और निकेता के रिश्ते में खटास थी। बता दें कि मृतक टीसीएस में बतौर रिक्रूटमेंट मैनेजर काम कर रहा था। बता दें कि यह पूरी घटना 24 फरवरी की है। पत्नी निकिता शर्मा का आरोप है कि मानव उसके साथ मारपीट करता था और उसने इससे पहले भी तीन बार सुसाइड की कोशिश की थी। ससुराल में निकिता को मानव खुशी-खुशी छोड़कर गया था।

'इस जन्म में तिहाड़ से बाहर नहीं आएंगे केजरीवाल'

पीडब्लूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को दी बड़ी चेतावनी

पणजी (एजेंसी)। दिल्ली सरकार के पीडब्लूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल के सारे घोटालों की जांच होगी और उन्हें लगता है कि अरविंद केजरीवाल जी इस जन्म में तो तिहाड़ से बाहर नहीं आएंगे। आइए जानते हैं कि प्रवेश वर्मा ने और क्या कुछ कहा है। पीडब्लूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा ÷दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है लेकिन महत्वपूर्ण राज्य है। सीएम के नेतृत्व हम दिल्ली का विकास करेंगे और सम्पूर्ण राज्य बनाएंगे। सीएम के नेतृत्व हम दिल्ली का विकास करेंगे और सम्पूर्ण राज्य बनाएंगे। वो लोग दिल्ली को लंदन बनाने की बात करते थे। लेकिन बनाया क्या शराब के ठेके। स्कूल के बाहर मंदिर के बाहर ठेके खोल दिए। यहां तक कि शीश महल में भी बार बना दिया। आलीशन

आफिस बनाया, वहां किसी को जाने की अनुमति भी नहीं थी।÷

प्रवेश वर्मा ने कहा- ÷अरविंद केजरीवाल ने तो अपने माता-पिता को भी नहीं छोड़ा। उनके पिता चल सकते हैं उसके बाद भी उन्हें व्हीलचेयर पर वोट के लिए बिठा दिया। चुनाव के 2 महीने में केजरीवाल ने दिल्ली को जात-पात में बांट दिया। जाट, बनिया।÷ उन्होंने कहा- ÷बंगाली कैम्प में गया। वहां पर एक विधवा बहन मिली। जिसका नाम मोनी दास है। उन्होंने बताया कि उनके दो बेटे थे। दोनों इनकी शराब नीति की वजह से मर गए। ऐसे कई उदाहरण है। इलाके के नाम बदलने पर प्रवेश वर्मा ने कहा- ÷नाम बदलना सिर्फ काम नहीं है। लेकिन नाम बदलकर अपनी संस्कृति की रक्षा करेंगे। आक्रांताओं ने जो नाम बदले थे। उनका नाम हम जरूर बदलेंगे। केजरीवाल जी के सारे घोटालों की जांच होगी। मुझे लगता है कि अरविंद केजरीवाल जी इस जन्म में तो तिहाड़ से बाहर नहीं आएंगे। अरविंद केजरीवाल की सरकार में बहुत राशनकार्ड बने हैं। अगर किसी बांग्लादेशी का राशनकार्ड बना होगा तो उसकी जांच होगी और कार्रवाई भी करेंगे। एलजी के अभिभाषण पर जब प्रवेश वर्मा बोल रहे थे उसी दौरान उन्होंने कहा कि उसकी इस सीट की दराज में एक रिनॉल्डस का पेन मिला है। शायद उनका (अरविंद केजरीवाल) का छूट गया होगा। अपने स्पीच के आखिर में प्रवेश वर्मा ने कहा कि ये रिनॉल्डस का पेन वापस करवा दीजिएगा।

मृत पिता की डिग्री पर इलाज कर रहा था फर्जी डॉक्टर, केस दर्ज

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां पुलिस ने एक फर्जी डॉक्टर पर कार्रवाई की है। वह अफने मृत पिता की डिग्री का इस्तेमाल कर के लोगों का इलाज कर रहा था। पिता की डिग्री पर उपचार करने वाला फर्जी चिकित्सक पर नागपुर महानगरपालिका और पुलिस ने दबिश दी है। जानकारी के मुताबिक, फर्जी डॉक्टर के पिता की मृत्यु 1.5 साल पहले हो गई थी। महाराष्ट्र काउंसिल ऑफ इंडिया मेडिसिन ने इस मामले में जांच का आदेश दिया था। नागपुर में महानगरपालिका एवं पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई को अंजाम देते हुए फर्जी डॉक्टर पर कार्यवाही की

है। हैरान कर देने वाली बात यह थी कि मृत पिता की डिग्री पर उपचार करने वाला फर्जी चिकित्सक वहां पर प्रैक्टिस कर रहा था। उसके पिता की मृत्यु लगभग डेढ़ साल पहले हो गई थ। फर्जी चिकित्सक जैद अंसारी पिता के मौत के बाद से यहां पर प्रैक्टिस कर रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने जब वहां पर दबीश दी तो वहां पर बड़े पैमाने पर इंजेक्शन, दवाइयां, सलाइन पाये गये हैं। महानगरपालिका के शिकायत पर नागपुर पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। मोमिनपुरा के अंसार नगर में बीयूएमएस डिग्री वाले साजिद अंसारी प्रैक्टिस करते थे। करीब डेढ़ साल पहले उनकी मौत हो गई।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्ण ने की सीएम योगी की सराहना

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 के मद्देनजर एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे महाकुंभ मेला क्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्ण। उन्होंने इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और

● सुंदर कांड की इस चौपाई का किया उल्लेख

राज्य की पुलिस को उनके मार्गदर्शन की सराहना की। अपने भाषण की शुरुआत में वैभव कृष्ण ने रामायण के सुंदरकांड की एक चौपाई का जिक्र करते हुए कहा, ÷जामवंत कहें सुन रघुराया, जापर नाथ करो तुम दया,

ताहि सदा शुभ कुशल निरंतर, सुर नर मुनि प्रसन्न ता ऊपर। इसका मतलब है, हे भगवान आप जिसके साथ खड़े हैं, उसका भला होना तय है।

इस दौरान वैभव कृष्ण भगवान राम की दयातुलता और सीएम योगी के राज्य के पुलिस अधिकारियों को दिए गए मार्गदर्शन के बीच समानता दर्शाते हैं। उन्होंने राज्य मशीनरी को उनके अटूट समर्थन के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ की सराहना की, जिसने प्रयागराज में मेगा इवेंट के सुचारू आयोजन को सुनिश्चित किया। महाशिवरात्रि पर 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ के समापन पर सीएम योगी ने इसपर प्रकाश डालते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतनी बड़ी भीड़ कभी नहीं हुई। कुल 66.30 करोड़ भक्तों ने महाकुंभ में भाग लिया। फिर भी अपहरण, लूट या इस तरह की कोई आपराधिक घटना नहीं देखने को मिली। विपक्ष को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से ऐसा एक भी मामला नहीं मिला। उन्होंने (विपक्ष) ने गलत सूचना फैलाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा, मौनी अमावस्या पर ही 8 करोड़ श्रद्धालु जुटे, लेकिन विपक्ष झूठ फैलाता रहा और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करता रहा। उन्होंने प्रयागराज को बदनाम करने की कोशिश भी की, इसके लिए उन्होंने कहीं और से असंबंधित वीडियो दिखाए।÷ यूपी के सीएम ने प्रयागराज में महाकुंभ में सफाई और स्वास्थ्य कर्मियों को 10,000 रुपये का बोनस देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार यह सुनिश्चित करने जा रही है कि अप्रैल से सफाई कर्मियों को 16,000 रुपये का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा, अस्थायी स्वास्थ्य कर्मियों को सीधे बैंक खाते में पैसे भेजे जाएंगे और उन सभी को स्वास्थ्य कवरेज के लिए आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा।

मोहन यादव सरकार का पहला पूर्ण बजट 12 मार्च आएगा, चार लाख करोड़ से अधिक का होगा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार का पहला पूर्ण बजट 12 मार्च आएगा। राज्य सरकार का वित्त विभाग नए बजट की तैयारियों में जुटा हुआ है। मोहन कैबिनेट अगले दस दिनों में सरकार के पहले पूर्ण बजट को मंजूरी देगी, जिसे राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सदन में पेश किया जाएगा।

यह बजट चार लाख करोड़ रुपए से अधिक का होगा। इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट भी 10 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र में पेश किया जाएगा। इस बार बजट में गोवंश संरक्षण, पर्यावरण, धरोहर व पर्यटन स्थलों के संवर्धन व संरक्षण, रोजगार, ई-परिवहन, झुग्गीमुक्त शहरों सहित अनेक मुद्दों पर फोकस देखने को मिल सकता है।

मोहन यादव सरकार पिछले साल अपना पूर्ण बजट मार्च में नहीं ला पाई थी। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनावों थे, जिनके चलते पहले तीन माह के खर्च के लिए लेखानुदान पारित किया गया था और फिर एक जुलाई को बजट सत्र बुलाकर तीन जुलाई को बजट पेश किया गया था।

एमपी का बजट तैयार करने की जिम्मेदारी पिछले साल मनीष सिंह के पास थी। वह इस समय स्टडी लीव पर हैं। ऐसे में इस बार यह जिम्मा सीएम मोहन ने मनीष रस्तोगी को सौंपा है। रस्तोगी की टीम बजट के लिए अब तक मिले सुझावों को कंपाइल कराने का काम कर चुकी है और मुख्यमंत्री तथा डिप्टी सीएम से चर्चा के बाद इसे फाइनल करने का काम किया जाएगा। इसको लेकर वित्त विभाग के प्रमुख सचिव रस्तोगी के साथ सीएम मोहन की बैठकों का दौर अगले दस दिनों तक कई बार चलने की उम्मीद है।

बजट में पर्यावरण, वन, भूमि और जल स्रोतों के बेहतर प्रबंधन,

संरक्षण, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, गोवंश संवर्धन, जन स्वास्थ्य, औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन, ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व की धरोहरों तथा पर्यटन स्थलों के संवर्धन व संरक्षण की जानकारी वित्त विभाग ले चुका है। विभागों में नवाचार के जरिए राजस्व में वृद्धि के लिए किए गए उपाय और आम जन के जीवन में बदलाव लाने के लिए विभाग द्वारा किए गए प्रयास की जानकारी भी मांगी गई है। विभाग द्वारा पूर्व वित्त वर्ष व वर्तमान वर्ष में अब तक रोजगार के लिए क्या प्रयास किए गए हैं, यह रिपोर्ट भी सभी विभाग प्रमुखों से ली जा चुकी है। शासकीय नियुक्तियों में वेतनमान, पदवार, श्रेणीवार रोजगार की संख्या व अन्य विवरण की जानकारी भी मंगाई जा चुकी है। श्रमिकों व प्रवासी श्रमिकों के कल्याण, थर्ड जेंडर, निराश्रित और बेघर, अनुसूचित जाति, जनजाति, विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास, विमुक्त, घुमंतु और अर्ध घुमंतु जनजाति तथा ओबीसी वर्ग के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी जाएगी।

चीता प्रबंधन के लिये 8 करोड़ 90 लाख की बजट स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विभाग ने चीतों के प्रबंधन वित्तीय वर्ष 2024-25 से वर्ष 2026-27 के लिये राशि 8 करोड़ 90 लाख की अनुमानित सीमा मान्य कर सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह स्वीकृति मंत्रि-परिषद ने दी है। शासन स्तर से इसके आदेश भी 18 फरवरी को जारी कर दिये हैं। आदेश में भारत सरकार से आवंटन की प्रत्याशा में उपरोक्त योजना में कोई राशि व्यय की जाती है, तो भारत सरकार से राशि प्राप्त होने पर वन विभाग के राजस्व प्राप्ति मद में ऐसे व्यय के समतुल्य राशि जमा करायी जाये।

अंडरग्राउंड केबिल बिछाने में खोदी गई सड़कों की तुरंत मरम्मत करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने एमपीईबी के अधिकारियों से कहा कि बिजली की अंडरग्राउंड केबिल बिछाने में खोदी गई सड़कों की तुरंत मरम्मत करें। श्रीमती गौर ने कल्पना नगर, शिव नगर फेस-1 और फेस-2 वार्ड 73 के पार्षद श्री राजू राठौर की शिकायत पर निर्देश दिये। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि खोदी गई सड़कों की मरम्मत को एक सप्ताह में करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वह स्वयं क्षेत्र में भ्रमण कर दिये गये निर्देशों के अनुक्रम में की गई कार्यवाही का जायजा लेंगी। श्रीमती गौर ने कहा कि भविष्य में सड़क निर्माण एजेंसी, नगर निगम और एमपीईबी के अधिकारी समन्वय बनाकर रखें जिससे ऐसी स्थिति नहीं बने। सड़क बनने के पहले केबिल बिछाने का कार्य किया जाये।

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंदों को रियायती दर पर भोजन की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय और श्रम कार्य के लिये ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब परिवारों को नगरीय एवं आवास विभाग द्वारा रियायती दर मात्र 5 रुपये में थाली उपलब्ध करायी जा रही है। प्रदेश में संचालित दीनदयाल रसोई योजना का 3 चरणों में विस्तार किया गया है। योजना में अब तक 4 करोड़ से अधिक भोजन थाली जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जा चुकी है। वर्तमान में 124 नगरीय निकायों में 191 रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इनमें 166 स्थायी और 25 चलित रसोई केन्द्रों से शहरी जरूरतमंदों को भोजन थाली उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के 16 नगर निगमों में 58 स्थायी रसोई केन्द्र, 99 नगरपालिका परिषद में 99 स्थायी रसोई केन्द्र और 9 नगर परिषदों में 9 स्थायी रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में संचालित 25 चलित रसोई केन्द्र में से 16 नगर निगमों में 23 चलित रसोई केन्द्र और 2 नगरपालिका परिषद में 2 चलित रसोई केन्द्र संचालित हो रहे हैं। नगरीय निकायों में चलित रसोई केन्द्र की सुविधा इसलिये प्रारंभ की गई है कि जरूरतमंदों को उनके श्रम स्थान पर पहुंचकर ही भोजन थाली उपलब्ध कराई जा सके। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा रसोई योजना संचालित करने वाली संस्था को विभाग द्वारा प्रति थाली 10 रुपये अनुदान राशि उपलब्ध करायी जा रही है। रसोई योजना का संचालन प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रसोई केन्द्र में स्वच्छता के साथ किये जाने की व्यवस्था की गयी है। व्यवस्था की निगरानी की जिम्मेदारी नगरीय निकायों के अमले को सौंपी गयी है। शहरी क्षेत्र में 25 चलित रसोई केन्द्रों के लिये सुसज्जित वाहन विभाग द्वारा नगरीय निकायों को दिये गये हैं। प्रदेश के 6 धार्मिक नगरों मैहर, चित्रकूट, ओंकारेश्वर, महेश्वर, ओरछा और अमरकंटक में भी रसोई केन्द्र की व्यवस्था की गयी है। इन धार्मिक नगरों में बड़ी संख्या में निर्धन वर्ग के श्रद्धालु इन स्थानों पर पहुंचते हैं। विभाग द्वारा योजना के विस्तार के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

दिव्यांगजनों के लिये 7 और 8 मार्च को आयोजित होगी सुगम्य यात्रा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। दिव्यांगजनों को सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, मॉल और सिनेमाघरों में उनकी सुविधानुसार किस तरह का सुगम्य वातावरण होना चाहिए। प्रदेश के प्रत्येक जिले में 7 और 8 मार्च 2025 को जिला कलेक्टर्स के सहयोग से दिव्यांगजन की सुगम्य यात्रा का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक जिले में चुनिंदा दिव्यांगजन को शासन व्यवस्था के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं आयुक्त निःशक्तजन श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को सुगम्य वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में सुगम्य यात्रा निकाली जाएगी। इसमें दिव्यांगजन को सरकारी भवनों, कलेक्ट्रेट, तहसील, नगर पालिका, नगर निगम सहित अन्य शासकीय कार्यालयों, सिनेमा घरों, आम पर्यटन स्थलों, पुस्तकालयों, बाजारों सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर दिव्यांगजन उपलब्ध साधन सुविधाओं की जमीन हकीकत को देखेंगे। स्थानों के भ्रमण के बाद दिव्यांगजनों द्वारा दी गई सलाह, सूचनाओं का संकलन किया जायेगा, जिनका उपयोग भारत सरकार द्वारा भविष्य में बनाई जाने वाली शहरी विकास नीतियों, डिजाइनिंग एवं विकासात्मक रणनीतियों में शामिल किया जायेगा, जो भविष्य में इस वर्ग के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण में सहायक होगी।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गुरुवार को विंध्याचल भवन में पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण एवं विमुक्त, घुमंतु, अर्ध-घुमंतु कल्याण विभाग के कार्यालय का शुभारंभ किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विंध्याचल भवन में कार्यालय के शुभारंभ अवसर पर कहा कि अब विभाग सरलता से अपने कार्य संपन्न कर सकेगा। कार्यालय विंध्याचल भवन में द्वितीय तल पर शुरू हुआ है। पूर्व में यह कार्यालय भदभदा रोड स्थित अन्य पिछड़ा वर्ग के ट्रेनिंग सेंटर में संचालित था। कार्यालय के विंध्याचल भवन में शुरू होने के अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अजीत केसरी, अपर सचिव श्री अनुराग चौधरी, आयुक्त श्री सौरभ कुमार सुमन एवं विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी तथा प्रदेश के समस्त जिलों के सहायक संचालक की उपस्थिति रही।

धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा श्रृंगेश्वर धाम-मंत्री सुश्री भूरिया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मार्ग दर्शन में जल संसाधन विभाग द्वारा के द्वारा माही एवं मधुकन्या नदी के संगम पर अवस्थित प्राचीन श्रृंगेश्वर धाम को धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से लगभग 6.3 करोड़ रुपये का प्रस्ताव श्रृंगेश्वर घाट निर्माण सौंदर्यीकरण के लिए भेजा गया है। प्रस्ताव में जल संसाधन विभाग के माध्यम से नवीन मंदिर और प्राचीन मंदिर के मध्य लगभग 250-300 मी. लम्बा और 25 मी. चौड़ा घाट का निर्माण कर, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, गार्डन के साथ सुरक्षा रैलिंग बनाये जाने का प्रावधान है। श्रृंगेश्वर धाम में बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावना को देखते हुए मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने इस स्थल को संवारने के लिए जलिा प्रशासन के माध्यम से प्रोजेक्ट बनाने के निर्देश दिए थे। किनारे पर घाट को इस तरह से बनाया जाएगा कि माही के बैक वाटर में भी यह पूरी तरह से सुरक्षित रहे। यह किनारे की मिट्टी के कटाव को भी रोकेगा। वर्तमान में घाट की स्वीकृति जल संसाधन विभाग से अपेक्षित है। सुश्री भूरिया ने बताया कि पेटलावद क्षेत्र के झकनावदा से करीब 5 किमी दूर स्थित श्रृंगेश्वर धाम जन-जन की आस्था का केंद्र है। यह तीर्थ स्थल माही व मधुकन्या नदी के संगम पर स्थित है और इससे पौराणिक मान्यता जुडी है।

आजाद के सपनो के विकसित भारत को बनाने के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार कर रही है प्रयास-मंत्री उईके

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं अलीराजपुर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने अलीराजपुर जिले के टाउन हॉल स्थित आजाद स्मृति पॉर्क में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। स्वराज संस्थान संचालनालय एवं संस्कृति विभाग द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर आजाद मेला का कार्यक्रम आजाद पार्क में किया गया। प्रभारी मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि करोड़ों लोगो के प्रेरणा स्त्रोत आजाद की भूमि में आप लोगो का जन्म हुआ है ये हम सब के लिए काफी गर्व की बात है। शहीद आजाद ने देश की

आजादी के पूर्व विकसित भारत का जो सपना देखा था, केन्द्र और राज्य सरकार मिलकर उसको साकार करने का हर संभव प्रयास कर रही है। अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की 94वीं पुण्यतिथि के अवसर हम सब लोग चंद्रशेखर आजाद को नमन करने के लिए यहां एकत्रित हुए है। हम सभी लोगों को यहां से प्रेरणा लेनी चाहिए की हम सबके जीवन का मूल उद्देश्य देश हित के लिए ईमानदारी से कर्तव्य निर्वहन का होना चाहिए। चंद्रशेखर आजाद ने न सिर्फ अंग्रेजो का सामना किया बल्कि देश के युवाओं को आजादी के लिए प्रेरित भी किया। आज हम सब लोग एक आजाद देश में सांस ले पा रहे है। आजाद के सपनों को साकार करने के लिए प्रदेश सरकार वचनबद्ध है। हम सब मिलकर क्षेत्र का विकास कर आजाद के सपने को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वीर बलिदानी आजाद की पुण्यतिथि पर नमन कर मै खुद को गौरवांवित महसूस कर रही हुं। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनों उपस्थित थे।

स्मार्ट मीटर योजना की सफलताएं जबलपुर, भोपाल को बताई जाएंगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्मार्ट मीटर योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने इस क्षेत्र में काफी अच्छा कार्य किया है, पश्चिम क्षेत्र में स्मार्ट मीटर की सफलता की जानकारी जबलपुर, भोपाल बिजली कंपनी को दी जाएगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पदेन चेयरमैन एवं पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अविनाश लवानिया ने बताया कि जल्द ही शासकीय कार्यालयों, परिसरों में प्राथमिकता से स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, ताकि शासकीय कार्यालयों की बिजली वितरण व्यवस्था प्रीपेड की जा सके। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सभागार में गुरुवार को हुई मीटिंग में श्री लवानिया ने कहा कि इंदौर क्षेत्र हर कार्य में आगे रहता हैं, हर बार सफलता प्राप्त करता हैं, इंदौर के अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने उपभोक्ता सेवाओं, मीटरीकरण, बिजली आपूर्ति, राजस्व संग्रहण, मानव संसाधन, आरडीएसएस समेत अन्य कार्यों, सेवाओं की जानकारी ली। एमडी श्री लवानिया ने कहा कि स्मार्ट मीटर के एबलेशन की वरिष्ठ अधिकारियों से की जाने वाली प्रति परीक्षण की सूची मुख्यालय से रेंडम आधार पर दी जाए। श्री लवानिया ने स्मार्ट मीटर की खासियतें उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रचार माध्यमों से बताए जाने एवं स्मार्ट मीटर की टीम द्वारा चोरी एवं अनियमितताओं के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई की प्रशंसा की। श्री लवानिया ने पश्चिम क्षेत्र कंपनी के निदेशक मंडल की मिटिंग में भाग लिया, विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। पश्चिम कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान निदेशक सचिन तालेवार, मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान, निदेशक श्री गजरा मेहता, मुख्य अभियंता श्री रवि मिश्रा, श्री एसएल करवाड़िया, मुख्य वित्त अधिकारी श्री नरेन्द्र बिवलकर, कंपनी सचिव श्री आराधना कुलकर्णी ने विचार रखे।

मंत्री श्री सारंग ने की जीआईएस में सहकारिता विभाग की फॉलो-अप समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सहकारिता विभाग में निवेश विंग की स्थापना के लिये अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने विंध्याचल भवन स्थित सहकारिता विभाग में सहकारिता संबंधी निवेशकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिये एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा। साथ ही उन्होंने एक कमेटी गठित करने के भी निर्देश दिये, जो आये प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के बाद हायर लेवल पर प्रस्तुत करेगी। मंत्री श्री सारंग मंत्रालय में जीआईएस के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे थे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि विभाग के को-ऑपरेटिव पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के

हितग्राहियों को परस्पर लाभ प्रदान करने के साथ ही प्रदेश के दूसरे और तीसरे दर्जे के क्षेत्रों के विकास को तिगुनी गति प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि इसीलिये निवेशकों का विशेष ख्याल रखा जाये। सिंगल विण्डो सिस्टम से किसी भी प्रकार की समस्या का निराकरण हो। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश में सहकारिता क्षेत्र में को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल के अंतर्गत कुल अनुमानित 2305 करोड़ रुपये के 19 एमओयू हुए हैं। इनमें प्रमुख रिलायंस द्वारा 1000 करोड़ और वैधनाथ ग्रुप द्वारा निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। मैजेस्टिक बासमती राइस प्राइवेट लिमिटेड रायसेन द्वारा 1000 करोड़ रुपये, आरएम ग्रुप द्वारा 100 करोड़ रुपये, मशरूम वर्ल्ड भोपाल द्वारा 100 करोड़ रुपये, वी विन लिमिटेड भोपाल द्वारा 40 करोड़ रुपये, न्यूट्रेलिस कृषि उत्पादक सहकारी समिति नोएडा यूपी द्वारा 30 करोड़ रुपये, एग्रीविस्टा एआई प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 25 करोड़ रुपये और सबीर बॉयो टेक लिमिटेड नोएडा यूपी द्वारा 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

साथ ही प्रतिभा सिंटेक्स इंदौर, पतंजलि, भारतीय बीज सहकारी समिति, न्यूट्रेलिस कृषि उत्पादक सहकारी समिति नोएडा आदि ने भी मध्यप्रदेश में निवेश में रुचि जाहिर की है। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, प्रबंध संचालक मार्कफेड श्री आलोक कुमार सिंह, सहकारिता आयुक्त श्री मनोज पुष्प, अपेक्स बैंक के प्रभारी प्रबंध संचालक श्री मनोज कुमार गुप्ता, राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन, बीज संघ के प्रबंध संचालक श्री महेन्द्र दीक्षित सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को उपार्जित गेहूं का भुगतान समय पर करें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरुण शमी ने गुरूवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सागर एवं शहडोल संभाग के कमिश्नर एवं कलेक्टर्स से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसानों से अच्छी गुणवत्ता का गेहूं उपार्जित करें। साथ ही उपार्जित गेहूं का भुगतान समय पर करें। गौरतलब है कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने गत दिनों गेहूं उपार्जन की समीक्षा के दौरान जिलेवार उपार्जन तैयारियों की समीक्षा के निर्देश दिये थे।

श्रीमती शमी ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिये सभी जरूरी सुविधाएं

उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। किसानों को गेहूं उपार्जन के लिये पंजीयन कराने के लिये जागरूक करें। उन्होंने संभागायुक्त और जिलों के कलेक्टर्स से अलग-अलग बात कर गेहूं उपार्जन के लिये की गई तैयारियों की जानकारी ली। अभी तक 3 लाख से अधिक किसान गेहूं उपार्जन के लिये पंजीयन करा चुके हैं। श्रीमती शमी ने बताया कि वेयर हाउस के लंबित भुगतान भी जल्द किये जायेंगे। उन्होंने उचित मूल्य दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले हितग्राहियों का ई-केवायसी कराने के निर्देश भी दिये। उन्होंने बताया कि गेहूं उपार्जन के लिये किसान 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में गेहूं का उपार्जन 1 मार्च से 18 अप्रैल तक होगा। शेष संभागों में 17 मार्च से 5 मई तक गेहूं का उपार्जन किया जायेगा।

संचालक खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा ने कहा कि उपार्जित गेहूं का परिवहन जल्द किया जाये। गेहूं के भंडारण की समुचित व्यवस्था करें। उपार्जन केन्द्रों की माइक्रो प्लानिंग करें। इस बात ध्यान रखें कि उपार्जन केन्द्रों में किसानों को कोई कठिनाई नहीं हो। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों का सत्यापन कराएं। उचित मूल्य दुकान के स्टॉक का भौतिक सत्यापन 7 दिन में करा लें। उपार्जन कार्यों की मॉनिटरिंग के लिये संबंधित अधिकारियों की ड्यूटी लगाएं। उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त बारदानों की व्यवस्था करें।

बस ने ली किशोर की जान, मझौली में बेटे की मौत पर परिजनों ने किया चक्का जाम, बस चालक फरार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के मझौली में एक सड़क हादसे में 17 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे सिविल न्यायालय के पास सीधी से जबलपुर जा रही गहरवार बस ने संतोष गुप्ता को कुचल दिया। संतोष वार्ड क्रमांक-2 के रहने वाले रामगोपाल गुप्ता के इकलौता बेटा थे।

घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने संतोष को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां डॉक्टर राकेश तिवारी ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिजनों ने दोपहर 3 बजे शव को सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। उन्होंने बस चालक की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग की। नगर निरीक्षक दीपक सिंह बघेल ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने जाम खत्म किया।

स्वास्थ्य केंद्र में सीबीएमओ पीएल सागर की अनुपस्थिति से परिजनों में और नाराजगी बढ़ी। दुर्घटना में शामिल बस का नंबर एमपी 54 जेडए 4614 है। अब प्रशासन से आरोपी चालक पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद है।

सड़क किनारे खड़े व्यक्ति को बाइक ने मारी टक्कार

गंभीर हालत में घायल को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में शुक्रवार को सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति के चेहरे और शरीर अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल को गंभीर हालत में एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घटना सोनगढ़ गांव में दोपहर करीब 2 बजे की है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

घायल छत्रपति यादव निवासी सोनगढ़ गांव 28 जनवरी दोपहर करीब 2 बजे सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक आकर छत्रपति से टकरा गई। हादसे में उन्हें चेहरे, आंख, नाक और सीने में गंभीर चोट लगी। ग्रामीणों ने एम्बुलेंस बुलाकर घायल छत्रपति को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टरों ने सर्जरी की। घायल के परिजनों को सूचना दी गई है।

नदी में जा रहा शराब फैक्ट्री का जहरीला पानी

सिंचाई करने से सूख रही फसलें, कॉक्स डिस्टलरी से निकल रहा केमिकल का वेस्टवाटर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के नौगांव में स्थित जैगपिन ब्रेवरीज लिमिटेड कॉक्स इंडिया डिस्टलरी से निकल रहा जहरीला पानी आसपास के इलाकों में समस्या बन गया है। फैक्ट्री प्रबंधन पर्यावरण नियमों और प्रदूषण बोर्ड के मानकों की अनदेखी कर रहा है।

फैक्ट्री से निकलने वाला केमिकल युक्त पानी खुले नालों और सीलप नदी में छोड़ा जा रहा है। फैक्ट्री से भूमिगत पाइप लाइन के जरिए आधा किलोमीटर दूर नर्सरी की जमीन पर रात में विषैला पानी छोड़ा जाता है। इससे आसपास के खेतों की फसलें जल रही हैं और मवेशी बीमार हो रहे हैं।

फैक्ट्री के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित कुएं, हैंडपंप और ट्यूबवेल का पानी प्रदूषित हो चुका है। यह पानी नहाने के लिए भी उपयुक्त नहीं है। नहाने के बाद शरीर से बदबू आती है और खुजली की शिकायत होती है।

किसान नरेंद्र यादव के अनुसार, सिंचाई के लिए इस पानी का उपयोग करने से फसलें सूख जाती हैं। ग्रामीण शंकर सिंह यादव ने बताया कि फैक्ट्री की वजह से पूरे क्षेत्र का जलस्तर खराब हो गया है। बीएमओ रविंद्र पटेल के मुताबिक, दूषित पानी पीने से मजदूरों को किडनी की बीमारी का खतरा है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह विशेष रूप से खतरनाक है। स्थानीय लोगों ने कई बार प्रशासन से शिकायत की है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस मामले में नौगांव एसडीएम काजुल सिंह से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

रिटायर्ड नगर सैनिक नशे में पी लिया जहररूअचानक होने लगी थी उल्टियां, इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में देवी रोड स्थित बीडी कॉलोनी में रहने वाले 45 वर्षीय रिटायर्ड नगर सैनिक की मौत हो गई।

बबलू कुशवाहा ने रात में शराब के नशे में धोखे से जहरीला पदार्थ पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक के छोटे भाई भगवान दास कुशवाहा ने बताया कि बबलू शराब पीते थे। रात में शराब पीने के दौरान गलती से जहर का सेवन कर लिया। जब उन्हें उल्टियां होने लगीं, तब उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

शुक्रवार की सुबह अस्पताल चौकी पुलिस ने शव का पंचनामा बनाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की जाएगी।

शिविर में नसबंदी के दौरान महिला की बिगड़ी हालत, उपचार के दौरान गई जान

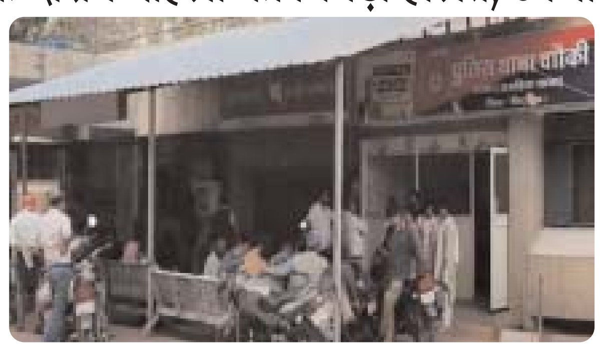

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आयोजित नसबंदी शिविर में नसबंदी कराने के बाद एक महिला की हालत बिगड़ गई। जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के संबंध में मृतका के पति ललन प्रजापति ने बताया है कि 13 फरवरी को सीधी में नसबंदी शिविर लगाया गया था, जहां आशा कार्यकर्ता प्रेमवती उसकी पत्नी को लेकर अपने साथ गई हुई थी। बताया गया कि नसबंदी कराने के बाद आशा कार्यकर्ता महिला को घर छोड़कर चली गई। आरोप है कि इस दौरान आशा कार्यकर्ता के द्वारा पैसों की भी मांग की गई और जब महिला राजकली प्रजापति की हालत बिगड़ने लगी तो पति के द्वारा आशा कार्यकर्ता को फोन लगाया गया। लेकिन वह घर नहीं आई। इधर पति जब पत्नी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा, तो उसकी हालत बिगड़ती ही जा रही थी। जिसके चलते उसे रीवा रेफर किया गया। जहां रीवा में दोबारा ऑपरेशन किया गया, तभी महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई।

पीड़ित पति ललन प्रजापति ने बताया है कि ऑपरेशन के दौरान महिला की आंत फट गई, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मृतिका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि नसबंदी में लापरवाही करने के कारण राजकली की मौत हुई है, जिसे आशा कार्यकर्ता अपने साथ लेकर गई थी और ऑपरेशन के लिए पांच सौ रुपये भी उसके द्वारा लिए गए थे। फिलहाल महिला की हुई मौत पर परिजनों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों के बाद अब पंचनामा कारवाई कर शव का पीएम कराया गया।

दामिनी माइंस के कलारी कर्मचारी ने की आत्महत्या, पड़ोस में रिश्तेदार के घर गए थे मृतक की पत्नी और बेटा

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के खैरहा थाना क्षेत्र की अर्झुला कॉलोनी में दामिनी माइंस के कलारी कर्मचारी राकेश यादव(30) ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना के दौरान राकेश की पत्नी और उनका 1 साल का बेटा पड़ोस में रिश्तेदार के घर गए हुए थे। जब पत्नी घर लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर आस-पड़ोस के लोगों की मदद से रोशनदान से देखा गया तो राकेश का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।

पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा: स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी दिलीप सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा गया और पीएम के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

अनुकंपा नियुक्ति से मिली थी नौकरी: परिजनों के बयान से पता चला है कि राकेश को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी और उन्होंने कुछ साल पहले ही नौकरी ज्वाइन की थी।

दो ट्रक आपस में टकराए, एक ट्रक का दरवाजा तोड़कर चालक को बाहर निकाला, गंभीर हालत में ट्राम सेंटर भेजा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बैढ़न-बरगवां मार्ग पर देवरी गांव के पास शुर वार सुबह दो खाली ट्रकों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रक चालक इबरार बेग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल ट्रक चालक को तत्काल एम्बुेंस की मदद से बैढ़न के ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुटार चौकी प्रभारी साहेब लाल सिंह के अनुसार, दोनों ट्रक बरगवां से बैढन की तरफजा रहे थे। देवरी गांव के पास पीछे आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने वाले ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ड्राइवर साइड का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक इबरार बेग केबिन में फंस गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। टीम ने ट्रक का दरवाजा काटकर चालक को बाहर निकाला। घायल चालक को तुरंत एम्बुलेंस से बैढन के ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगाया। इसी वजह से पीछे वाला ट्रक टकरा गया। हादसे के बाद मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने यातायात बहाल करवा दिया। हादसे का मुख्य कारण अनियंत्रित गति बताया जा रहा है।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, एक छात्र की मौत, दो घायल, कोनी में बर्थडे पार्टी जा रहे थे तीन दोस्त

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के दियापीपर के पास एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक छात्र की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोग घायल हो गए। घटना गुरुवार देर रात की है।

दरअसल, प्रिंस जायसवाल (13), सूरज सिंह (14) और शिवम सिंह (14) बाइक से कोनी में एक बर्थडे पार्टी में जा रहे थे। तभी शहडोल से गोहपारू की तरफजा रही कार (नंबर सीजी 16 सीएम 2912) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

स्थानीय लोगों की मदद से तीनों को जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने प्रिंस जायसवाल को मृत घोषित कर दिया। सूरज सिंह की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बिलासपुर रेफर किया गया है। शिवम सिंह की स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

दोस्तों को लेने जैतपुर गया था मृतक: मृतक प्रिंस सोहागपुर थाना क्षेत्र के कोनी का रहने वाला था। वह अपने दोस्तों को लेने जैतपुर गया था। वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। आज शुक्रवार को उसका कक्षा आठवीं का तीसरा परीक्षा पेपर होना था। गोहपारू पुलिस ने कार और बाइक को अपने कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

महारानी लक्ष्मीबाई कालेज तथा आरसेटी में वित्तीय साक्षरता शिविर संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विभागीय योजनाओं एवं वित्तीय लेनदेन के संबंध में आमजनता को जागरूक करने के लिए वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में महारानी लक्ष्मीबाई कालेज तथा आरसेटी में वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित किए गए। वित्तीय समझदारी समृद्ध नारी विषय पर इन शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में भारतीय रिजर्व बैंके प्रतिनिधि राम नागर ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर शिविर के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि हर व्यक्ति और हर परिवार को व्यवस्थित तरीके से वित्तीय प्रबंधन करना चाहिए। वित्तीय मामलों को समझना और उनका समुचति प्रबंधन करना समय की आवश्यकता है। हमारे देश में परंपरागत रूप से गृह स्वामिनी को लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। घर की महिला वित्तीय प्रबंधन में कुशल और वित्तीय मामलों में जागरूक रहकर उचित वित्तीय प्रबंधन कर सकती हैं। इससे परिवार के भविष्य को सुरक्षित रहने में मदद मिलेगी। वित्तीय प्रबंधन अच्छा होगा तो घर-परिवार का भी प्रबंधन श्रेष्ठ होगा।

शिविर में शामिल महिलाओं और छात्राओं को घरेलू बजट बनाने की जानकारी दी गई। शिविर में बताया गया कि महिलाएं अपने घरेलू खर्चे का पूरा हिसाब किताब रखकर उसका मासिक बजट बनाएं। परिवार की आय जिन कार्यों में व्यय हो रही है उन क्षेत्रों की पहचान करके समुचित व्यय और बचत की ओर कदम बढ़ाएं। परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देकर कार्यों की लागत घटाने के तरीकों के बारे में विचार करें। अब लगभग हर व्यक्ति के पास बचत बैंक खाता है। इस खाते को नियमित रूप से संचालित करते हुए इसमें छोटी-छोटी बचत की राशि जमा करें। संकट काल में यह राशि आपके और परिवार के बहुत काम आएगी। शिविर में माइक्रो सेविंग और अच्छा क्रेडिट स्कोर बनाए रखने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं से लेनदेन की प्रक्रिया विभिन्न कार्यों के लिए ऋण लेने तथा साइबर फ्राड से बचने के संबंध में भी जानकारी दी गई। शिविर में अग्रणी बैंक प्रबंधक जगमोहन तथा लक्ष्मीबाई कालेज के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पत्नी की हत्यारे पति को उम्रकैद, दो साल बाद आया कोर्ट का फैसला, 6 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले में पत्नी की हत्या के मामले में न्यायालय ने आरोपी पति को आजीवन कारावास की सजा शुक्रवार को सुनाई है। द्वितीय सत्र न्यायाधीश नरेंद्र पटेल ने यह फैसला सुनाया है। केकरपानी थाना कोतवाली अनूपपुर के 49 वर्षीय बलदीर सिंह गोड ने अपनी पत्नी अनसिया बाई गोड की हत्या की थी। घटना 18 फरवरी 2023 को शाम 4 बजे से रात 11 बजे के बीच उनके घर में हुई। आरोपी ने पत्नी के साथ मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गई।

थाना कोतवाली अनूपपुर ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के बाद न्यायालय में आरोपपत्र पेश किया गया। लोक अभियोजक पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा ने मामले की पैरवी की। कोर्ट ने सभी तथ्यों और गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी को दोषी माना। न्यायाधीश ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 6,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

कक्षा 12 वी अंग्रेजी विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा हायर सेकेण्डरी सर्टिफिक्रेट परीक्षा का आयोजन 25 फरवरी से 25 मार्च 2025 तक किया जा रहा है। आज हायर सेकेण्डरी कक्षा 12वीं की अंग्रेजी विषय की परीक्षा जिले के 65 परीक्षा केन्द्रो में आयोजित हुई जिसमें से 10048 दर्ज छात्रों में से 90921 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, 127 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नही हुये। परीक्षा में कानून व्यवस्था एवं परीक्षा की पवित्रता बनाये रखने एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिये कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा 16 पैनल गठित किये गये है।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी.एल. मिश्रा द्वारा परीक्षा केन्द्र ताला, पथरौला एवं मडवास का निरीक्षण किया गया। प्रवीण शुक्ला ए.डी.पी.सी. द्वारा बरमबाबा, टिकरी, मडवास का निरीक्षण किया गया। नागेन्द्र सिंह जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा पनवार, कन्या चुरहट, बालक चुरहट, मॉडल सर्रा का निरीक्षण किया गया।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर आश्रित को मिलेंगे दो लाख रुपए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इन दुर्घटनाओं में कई व्यक्ति अपनी जान गवां देते हैं। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों का भी जीवन कठिन हो जाता है। अब तक अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को सोलेशियम फण्ड से 25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। इसके स्थान पर हिट एण्ड रन मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर योजना 2022 लागू की गई है। इस योजना से अज्ञात वाहन से दुर्घटना में मौत होने पर मृतक के आश्रितों को दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायल होने पर 50 हजार रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। योजना की मानीटरिंग के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को सदस्य बनाया गया है। कलेक्टर इस समिति में एक स्वयंसेवी सदस्य को नामांकित करेंगे। बीमा कंपनी के अधिकारी को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है। अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर पीड़ित व्यक्ति तहसीलदार अथवा एसडीएम को निर्धारित प्रपत्र में सहायता राशि के लिए आवेदन प्रस्तुत करेंगे। आवेदन पत्र के साथ दावाकर्ता के बैंक खाते की छायाप्रति, अस्पताल में उपचार कराने के बिल, घायल अथवा मृतक की पहचान तथा पता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसके साथ-साथ पुलिस में दर्ज एफआईआर की प्रति, दावा करने वाले की पहचान सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण पत्र, मौत की स्थिति में पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं मृत्यु प्रमाण पत्र एवं गंभीर चोट होने पर एमएलसी रिपोर्ट देना आवश्यक होगा। इसका आवेदन करने पर संबंधित जाँच दावा अधिकारी तहसीलदार अथवा एसडीएम 30 दिवस में अपनी जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर इस रिपोर्ट पर 15 दिवस में आवश्यक कार्यवाही कर पीड़ित को सहायता राशि का भुगतान कराएंगे तथा परिवहन आयुक्त को रिपोर्ट प्रेषित करेंगे।

एनएचएम की नवीन संविदा नीति 2025 से चिकित्सा कार्मिकों को मिलेगा बेहतर कार्य वातावरण

32 हज़ार से अधिक संविदा कर्मचारी होंगे लाभान्वित

वेतन वृद्धि, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, सेवा सुरक्षा के प्रावधान नवीन नीति में शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की नवीन संविदा कर्मचारी नीति 2025 का निर्धारण संविदा कर्मचारियों के हितों की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए किया गया है। नवीन नीति से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में स्थायित्व आएगा और कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा। इस नीति का लाभ 32 हज़ार संविदा कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रूप से मिलेगा और उनके परिवारों सहित लगभग 1.5 लाख लोग इससे लाभान्वित होंगे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यह निर्णय प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुचारू बनाने में सहायक होगा। उन्होंने समस्त संविदा कर्मचारियों से अपील की है कि वे अपनी सेवाओं को समर्पण के साथ प्रदान करें, जिससे प्रदेश के नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकें।

एनएचएम की नवीन नीति के तहत संविदा कर्मचारियों को कई महत्वपूर्ण सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। अब कर्मचारियों को हर वर्ष नवीनीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी। कर्मचारियों के कार्य प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए एक पारदर्शी और समयबद्ध वार्षिक सेवा आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली लागू की गई है। कर्मचारियों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निवारण के लिए एक अपीलीय अनुक्रम स्थापित किया गया है। संविदा कर्मचारियों की सेवा समाप्ति का अधिकार केवल मिशन संचालक एनएचएम के पास होगा और यह केवल प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करने के बाद ही किया जा सकेगा।

वेतन वृद्धि को भी एक सुव्यवस्थित ढांचे में लाया गया है, जिसके तहत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आधार पर नियमित वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा। नव नियुक्त गर्भवती महिलाओं को प्रसव के छह सप्ताह बाद (सातवें सप्ताह से) कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति दी जाएगी, जिससे वे मातृत्व के शुरुआती दिनों में समुचित देखभाल प्राप्त कर सकेंगी। इसी तरह, मातृत्व अवकाश और पितृत्व अवकाश के प्रावधान भी संविदा कर्मचारियों के लिए लागू किए गए हैं।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की सुचारू व्यवस्था के लिए संविदा कर्मचारियों को अंतर-जिला स्थानांतरण की सुविधा प्रदान की गई है, जिसके तहत जिला स्वास्थ्य समिति को इंट्रा-डिस्ट्रिक्ट ट्रांसफर का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा, कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए एक स्पष्ट शिकायत निवारण अनुक्रम निर्धारित किया गया है। आकस्मिक परिस्थितियों में परिवार को सहायता प्रदान करने के लिए अनुकंपा नियुक्ति और एक्स-ग्रेशिया सहायता राशि के प्रावधान किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार विशेष अवकाश की सुविधा भी संविदा कर्मचारियों को प्रदान की जाएगी। कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह प्रावधान किया गया है कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ जांच चल रही हो, तो उसे 50 प्रतिशत वेतन प्रदान किया जाएगा। स्थानांतरण प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन ट्रांसफर मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। साथ ही, वेतन असमानता की समस्या को दूर करते हुए सभी संविदा कर्मचारियों के लिए वेतन समानता सुनिश्चित की गई है।

विचार

हाई-वे बनाने के साथ पेड़ भी बचाइए

केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद देश में नेशनल हाई-वे और एक्सप्रेस वे का निर्माण बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ। यह कार्य अनवरत जारी है। 2014-15 में जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो देश में कुल 97,830 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग थे। मार्च 2023 तक देश भर में अलग-अलग 145,155 किमी लंबे राजमार्ग हो चुके थे। ये कार्य निरंतर जारी है। राजमार्ग के साथ ही तेजी से जगह जगह स्टेट हाई वे और जिला मार्ग भी बन रहे हैं। इन मार्ग के बनाने के लिए भारी संख्या में सड़क के किनारे के पेड़ कट रहे हैं। कटने वालों पेड़ के मुकाबले लगने वाले वृक्षों की संख्या कम है। सरकारी आंकड़े हैं कि लगने वाले वृक्षों लगभग 24 प्रतिशत मर जाते हैं। ऐसे में आज जरूरत है कि किसी भी तरह का मार्ग बनाया जाए उसके किनारे के बड़े और पुरान पेड़ न काटें जाएं। उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाए। लोकसभा में 22 जुलाई 2019 को दी गयी जानकारी में बताया गया था कि 2014 से 2019 के पांच साल के अंतराल में 1.09 करोड़ पेड़ काटने की अनुमति दी गई। सबसे ज्यादा अनुमति 2018-19 में 2691028 पेड़ काटने की दी गई। यह संख्या तो अनुमति लेकर काटे गए पेड़ों की है। मानना है कि इससे भी कई गुना पेड़ प्रति वर्ष बिना अनुमति लिए कट जाते हैं। ये काम उन अधिकारियों से मिलकर होता है, जो पेड़ों के कटान रोकने के लिए जिम्मेदार है। 13 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किए गए एक लिखित जवाब के मुताबिक वित्त वर्ष 2016-17 से 2020-21 के बीच देश भर में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत जितने पौधे लगाए गए थे, उसमें से 4.84 करोड़ पौधे खत्म हो गए। उन्होंने दावा किया कि इन पांच वर्षों में कुल 20.81 करोड़ पौधे लगाए गए इसमें से 15.96 करोड़ पौधों को ही बचाया जा सका है। इस आधार पर यदि राष्ट्रीय औसत देखें तो प्रतिपूरक वनीकरण के तहत वन कटाई के बदले जितने पौधे लगाए जा रहे हैं, उसमें से 24 फीसदी पौधे तमाम कारणों से खत्म हो जाते हैं। एक पेड़ की कीमत जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी एक पेड़ की कीमत 74 हजार 500 रुपये प्रति सालाना हो सकती है। हर हर साल बीतने के साथ ही उसकी कीमत में ये राशि जुड़ जाती है। इस एक पेड़ की कीमत से हम अनुमान लाग सकते है कि प्रतिवर्ष लाखों पेड़ काट कर देश की कितनी बड़ी संपदा का हम दौहन कर रहे हैं। विकास के लिए जहां पेड़ों का कटना जरूरी है वहीं समय की जरूरत कुछ और है। वनों का तेजी के साथ दोहन होने से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जलवायु बदल रही है। सासों पर संकट बढ़ रहा है। पोल्यूशन बढ़ने के कारण आक्सीजन मिलना दुर्लभ होता जा रहा है। इसी से महानगरों में आदमी की आम आयू कम हो रही है। इसीलिए आज जरूरी हो गया है कि विकास के लिए पेड़ों को न काटा जाए। इन पेड़ों को काटने की जगह यदि इन्हें दूसरी खाली जगह पर ले जाकर लगाया जाए तो समस्या का निदान हो सकता है। कुछ जगह पर यह कार्य हुआ भी है। गाजियाबाद-दिल्ली ऐलिवेटेड रोड को बनाते समय 64 पेड़ उठाकर दूसरी जगह लगाए गए। उत्तराचंल में भी कईं साल पहले यह कार्य हुआ। इसके लिए हम यह कर सकतें हैं कि छोटे पेड़ काट दिए जाएं किंतु बड़े पेड़ दूसरी जगह लगा दिए जाएं। पेड़ का लगाना बहुत सरल है। उसे देखरेख करना बड़ा करना बहुत ही कठिन है। पेड़ों के दोहन में सरकारी नीति भी जिम्मेदार है। नियम है कि पेड़ के काटने के आवेदन के साथ-सा?थ यह वायदा कराया जाता है कि आज कटे एक पेड़ की जगह दो पेड़ लगाएंगे। प्रति पेड़ काटने के लिए वन विभाग को दो सौ रुपया प्रति पेड़ सुरक्षा धन जमा करना होता है। पेड़ लगाकर वन अधिकारी को आप दिखा देंगे कि पेड़ लगा दिए तो सुरक्षा धन वापस हो जाएगा। आज के समय में दो सौ रुपये कोई मूल्य नहीं रखता। इसलिए कोई पेड़ लगाता नहीं। वन अधिकारी ये दो सौ रुपया सुरक्षा राशि जब्त कर लेते हैं। इस राशि से विभाग बरसात में वृक्षारोपण करता है। पेड़ लगवाने हैं तो हमें यह दो सौ की सुरक्षा राशि बढ़ाकर कम से कम पांच हजार करनी होगी। यह भी आदेश करना होगा कि दस साल से बड़े पेड़ कटेंगे नहीं। दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिए जाएंगे।

एक बात और अवैध रुप से पेड़ कटान का दंड पांच हजार रुपया है। न पकड़े गए तो कुछ भी नहीं। पकड़े जाने पर वन अधिकारी खेल कर लेते हैँ। कटते सौ पेड़ हैं दिखाते दस है। इसी तरह से कम पेड़ की अनुमति लेकर ज्यादा पेड़ काटे जाने का प्राय: चलन है। किसान को जरूरत के लिए अपनी भूमि से वृक्ष काटने की अनुमति हो किंतु अवैध रूप से पेड़ काटने पर एक पेड़ पर कम से कम 50 हजार रुपया जुर्माना और छह माह की सजा का प्रावि?धान होना चाहिए। कोई भी सड़क या उद्योग का प्रोजेक्ट पास करने से पहले पूछा जाना चाहिए कितने पेड़ हैं? दस साल से ज्यादा आयु के पेड़ की संख्या और उससे बड़े इन पेड़ों को किस जगह लगाया जाएगा इस योजना और बजट की जानकारी भी दें। ऐसा करने से हमको ज्यादा पेड़ नहीं लगाने पड़ेंगे। हमारी भूमि भी हरी भरी रहेगी।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए काम कर रहे जानकार बताते हैं कि पौधारोपण के नाम पर आमतौर पर सजावटी और विदेशी पौधे रोप दिए जाते हैं जो कम समय में बड़ा आकार ले लेते हैं लेकिन वे किसी भी दृष्टि से पर्यावरण के लिए लाभकारी नहीं होते। इस बात की निगरानी होनी चाहिए और साथ ही जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि काटे गए पेड़ों के स्थान पर ईमानदारी से पौधारोपण कर हरियाली को बरक़रार रखने की कवायद हो।

सांस्कृतिक-धार्मिक समागम का महाकुभ

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुभ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया, इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुभ को संया के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया, जो न केवल दुनिया को चौंकाने वाला बल्कि सनातन परपरा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस सफल आयोजन से मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उार प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है।

प्रदेश की कानून व्यवस्था को एक नये अध्याय के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित यह मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना, जो न केवल अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण बना बल्कि दुनिया में भारत की एक नई छवि, भीड़ प्रबंधन, सनातन एकता के लिये अमिट आलेख बन गया है। सनातन गहराई को मापने वालों को बधाई, इससे नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी हिन्दू संस्कृति पुन: अपने मूल्यों एवं संगठन के साथ नई शक्ल एवं ताकत के रूप में प्रतिष्ठापित होगी।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धर्माचार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है।

उदाहरण के लिए सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। दूसरी तरफ इराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये अब जागरूक एवं संगठित नहीं होगा तो कब होगा?

प्रयागराज महाकुंभ लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं देखकर दुनिया भौचक रह गयी। भीड़ प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटिलेंजेंस का उपयोग और ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम से संदिग्धों पर निगाह रखना भविष्य की पुलिसिंग की तस्वीर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों के विशेषज्ञ यहां भीड़ प्रबंधन पर शोध करने पहुंचे हैं। इतने बड़े आयोजन में एक दो घटनाएं इतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु उल्लास और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो लौटा। महाकुंभ ने उन सभी स्थानों के लिए एक मानदंड प्रस्तुत किया है, जहां कुंभ अर्धकुंभ के आयोजन होने हैं। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिन: जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है। मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिंदू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं। आज विश्व भारत को केवल एक राष्ट्र राज्य के रूप में नहीं देखता बल्कि उसे सनातन संस्कृति की जन्मभूमि और हिंदू राष्ट्र के रूप में पहचानता है। नेपाल, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया जैसे देशों की संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भगवद्गीता का पाठ किया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि विश्व भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्वीकार कर रहा है। अमेरिका और यूरोप में भी योग, वेदांत और भगवद्गीता के प्रति बढ़ती रूचि यह दर्शाती है कि हिंदू जीवन दर्शन वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। महाकुंभ के खिलाफ़ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। कुंभनगरी में सबसे ज्यादा फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया, यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया, इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे, जिनके नुमाइंदे ही नहीं, बल्कि लगभग 180 देशों के लोगों ने महाकुंभ में सम्मिलित होकर महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है। अनेक विदेशी ने सनातन धर्म में दीक्षित हुए है।

तमाम इंतजामों के बावजूद बड़ी संख्या में बेटिकट यात्री कैसे चढ़ गये?

महाशिवरात्रि पर्व से एक दिन पहले दिल्ली से वाराणसी की यात्रा के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से जब शिव गंगा एक्सप्रेस में चढ़ा तब पता नहीं था कि अगले कुछ घंटों में मुझे वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर जनता के मन की बात विस्तार से पता चलेगी। दरअसल, अक्सर हमें जनता के मन की बात जानने के लिए गलियों, मोहल्लों, कस्बों और शहरों में जाना पड़ता है लेकिन शिव गंगा एक्सप्रेस में विचारों की जिस धारा को मैंने बहते देखा उसे इस लेख के माध्यम से आपके समक्ष रख रहा हूँ।

शुरू में मैं सोच रहा था कि रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के तमाम इंतजामों के बावजूद ऐसी बोगी में इतनी बड़ी संख्या में बेटिकट यात्री कैसे चढ़ गये? लेकिन जल्द ही टिकट वाले और बेटिकट यात्रियों के बीच जो संवाद शुरू हुआ मैं उसका आनंद लेने के साथ-साथ उसे नोट भी करने लगा। यह सही है कि एक ट्रेन की कुछ बोगियों के यात्रियों के विचार को पूरे देश का जनमत नहीं माना जा सकता लेकिन जिस तरह विभिन्न राज्यों के यात्रियों के समान विचार दिखे उससे ऐसा प्रतीत हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जबरदस्त जन समर्थन प्राप्त है और उत्तर प्रदेश की जनता खासतौर पर इस बात के लिए ग्लानि महसूस कर रही है कि उसने भाजपा की सीटें लोकसभा चुनावों में कम करवा दीं। मेरे सामने वाली बर्थ पर एक परिवार जोकि काशी का ही रहने वाला था, वह दिल्ली में एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद वापस लौट रहा था। उसमें मौजूद एक बुजुर्ग दंपति सभी बेटिकट यात्रियों से सहानुभूति दर्शा रहे थे और इस बात की सराहना कर रहे थे कि किसी भी कीमत पर लोग महाकुम्भ में जा रहे हैं। जब मैंने उनसे पूछा कि आप लोग संगम में स्नान करके आये या नहीं तो उन्होंने कहा कि हम तो दो बार हो आये, व्यवस्था बहुत अच्छी थी। बुजुर्ग महिला ने अपने पति की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह तो व्यवस्थाओं से बेहद प्रसन्न थे इसलिए मैंने उन्हें इस बात के लिए खूब सुनाया कि मोदी योगी इतना अच्छा काम कर रहे हैं फिर भी आपने लोकसभा चुनावों में भाजपा को वोट नहीं दिया। जब मैंने बुजुर्ग व्यक्ति से पूछा कि काका आपने मोदी जी को क्यों वोट नहीं दिया? क्या उन्होंने काशी के सांसद के नाते अच्छा काम नहीं किया? इस सवाल पर बुजुर्ग व्यक्ति ने कहा कि ऐसा नहीं है। मोदी जी शानदार काम किये हैं। वह तो बस हमारे गांव के लोग नाराज थे तो हम भी नाराज हो गये और भाजपा को वोट नहीं दिये। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे गांव को भाजपा वाले अपना वोट बैंक मानते हैं इसलिए प्रचार के दौरान आये भी नहीं। यह बात सुनते ही मुझे लोकसभा चुनावों के दौरान का वह दृश्य याद आ गया जब काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव कार्यालय में एक व्यक्ति सभी से चिल्ला चिल्ला कर आग्रह करते रहते थे कि यहां मत बैठिये, जनता के बीच जाइये लेकिन कोई वहां से हिलता ही नहीं था। प्रधानमंत्री के चुनाव कार्यालय में बस पार्टी पदाधिकारियों की बैठकें होती रहती थीं, देशभर से आये भाजपा नेता और कार्यकर्ता देश के चुनाव परिदृश्य पर चर्चा करते रहते थे लेकिन कोई भीषण गर्मी में बाहर निकल कर चुनाव प्रचार के लिए नहीं जाता था। खैर, वापस शिव गंगा एक्सप्रेस में अपनी बोगी में आता हूँ और जनता से हो रहे संवाद की चर्चा करता हूँ। एक बेटिकट महिला यात्री जोकि दिल्ली से ही थीं, उन्होंने कहा कि मोदी जी ने पूरे देश का माहौल बदल दिया है। जब मैंने पूछा कि कैसे बदल दिया है माहौल? तो उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में शामिल होने के लिए जिस तरह देशभर के लोग आ रहे हैं वह दर्शा रहा है कि सनातन की

पताका एक बार फिर भारत में फहरा रही है। जब मैंने कहा कि महाकुम्भ पहली बार तो आयोजित नहीं हो रहा है तो इस पर उन्होंने कहा कि पहले इसमें जन भागीदारी के लिए सरकार की ओर से प्रयास नहीं होते थे लेकिन इस बार ऐसा हुआ। उन्होंने कहा कि हम अपने छात्र जीवन के दौरान देखते थे कि युवाओं में ऐसी टी-शर्ट या कपड़े पहनने की होड़ होती थी जिसमें पश्चिमी देशों के ध्वज या वहां के मशहूर ब्रांड्स आदि के नाम लिखे होते थे लेकिन आज के युवा जिस तरह भगवा कपड़े पहनने पर गर्वित हो रहे हैं, महाकाल लिखी टी-शर्ट पहन रहे हैं, हाथ में कलावा पहनना चाहते हैं, माथे पर तिलक लगा कर घर से निकलना चाहते हैं, यह बदलाव नहीं तो और क्या है? उन्होंने कहा कि पहले घर में भजन सिर्फ बुजुर्ग सुनते थे और अक्सर बच्चे भजन हटा कर फिल्मी गाना लगा दिया करते थे लेकिन आज बच्चे भी भजन सुनते हैं और बुजुर्ग भी। उन्होंने कहा कि इससे बच्चे संस्कारवान बन रहे हैं जोकि उनके कॅरियर निर्माण में भी सहायक हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम जो बात बच्चों को समझाते समझाते थक गये थे उसे मोदी और योगी ने अपने आचरण के जरिये बच्चों को भलीभांति समझा दिया। एक अन्य महिला ने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचारियों के खिलाफ हाल के दिनों में कार्रवाई की उसे रोकना नहीं चाहिए।

वह महिला हरियाणा से थीं, उनका एक पूरा समूह प्रयागराज जा रहा था। उस समूह ने कहा कि हमने लोकसभा चुनावों में भाजपा को वोट नहीं दिया था क्योंकि हमें लगा था कि कांग्रेस के घोषणापत्र में ज्यादा अच्छे वादे किये गये हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन लोकसभा चुनावों में भाजपा की सीटें घटने के बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ छापेमारी रुकने पर हमें इस बात का दुख हुआ कि देश में जो एक अच्छा काम हो रहा था उसमें हमने बाधा उत्पन्न कर दी। इस समूह ने यह भी कहा कि हमने हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा को वोट इसलिए भी दिया क्योंकि हमें पश्चाताप करना था और अपने राज्य में फिर से पर्ची खर्ची सिस्टम को लागू होने से रोकना था। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे हरियाणा विधानसभा चुनावों के समय कांग्रेस नेता खुल कर नौकरियों की सौदेबाजी वाले बयान दे रहे थे। सबसे हैरान करने वाली टिप्पणी एक दक्षिण भारतीय दंपति की रही। यह दंपति दिल्ली में पढ़ाई कर रहे अपने बच्चों को लेकर प्रयागराज जा रहा था। उनका वहां से काशी जाने का भी कार्यक्रम था। उन्होंने बताया कि इस साल के शुरू में उन्होंने जब अयोध्या में रामलला के भव्य मंदिर में दर्शन किये तो उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या कर दिखाया है।

तुझे भूत चढ़ा है बोलकर पिता ने बेटे को मार-डाला

भाइयों ने भी झाड़फूंक करते हुए बांस की छड़ी से पीटा, तड़प-तड़पकर युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में तुझे भूत चढ़ा है बोलकर पिता ने बेटे को पीट-पीटकर मार डाला। बताया जा रहा है कि भूत उतारने के लिए पिता और भाइयों समेत 4 लोगों ने बांस की छड़ी से पीटा, जिससे युवक की जान चली गई। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र के देवगांव का है।

मृतक का नाम सरोज खांडेकर (35) है। वारदात का वीडियो वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में गाली-गलौज और सिर के बाल को पकड़कर पीटते और भूत उतारते नजर आ रहे हैं। 13 फरवरी की रात युवक की तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

अब जानिए क्या है पूरा मामला: दरअसल, 12 फरवरी को पंचायत चुनाव के लिए सरपंच और पंच प्रत्याशियों ने गांव में चिकन पार्टी का आयोजन किया था। पार्टी में सरोज खांडेकर भी शामिल हुई थी। सुबह से ही सरोज ने शराब पीना शुरू कर दिया। ज्यादा शराब पीने की वजह से उसकी तबीयत खराब हो गई।

इससे युवक जमीन पर सिर के बल गिर गया। उसका छोटा भाई शैलेन्द्र और मुकेश खांडेकर भी चिकन पार्टी में शामिल थे। शैलेन्द्र और मुकेश ने अपने भाई को जमीन पर सिर के बल गिरे होने पर भूत प्रेत का चढ़ने की बात कही।

पिता-भाई को झाड़फूंक के लिए बुलाया: इस दौरान शैलेन्द्र और मुकेश ने अपने बड़े भाई मनोज खांडेकर और पिता गोरे लाल खांडेकर को झाड़फूंक के लिए बुलाया। मनोज खांडेकर और गोरे लाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने झाड़फूंक शुरू की। इस दौरान भूत उतारने के नाम पर युवक को कोर्रा और बांस की छड़ी से पीटा।

आरोपियों को भेजा गया जेल: मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक्शन लिया। 27 फरवरी को शैलेंद्र खांडेकर (35), मुकेश खांडेकर (30), मनोज खांडेकर (42), गोरेलाल खांडेकर (69) को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने जुर्म कबूल किया। 28 फरवरी को सभी को कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

शराब पीने से मना करने पर पिता की हत्या

बेटे ने लोहे के रॉड से सिर पर किया हमला, बीच चौराहे में मारा

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (एजेंसी)। सक्ति जिले में एक बेटे ने अपने पिता की हत्या कर दी। पिता ने शराब पीने से मना किया तो दोनों के बीच खूब विवाद हुआ जिसके बाद बीच चौराहे में बेटे ने लोहे के डाई (रॉड) से पिता के सिर पर वार कर दिया। मामला बाराद्वार थाना क्षेत्र के ग्राम सरहर का है। 26 फरवरी की रात विवाद के बाद पिता विक्रम केवट पान दुकान चला गया। गुस्से में गीता राम (30) वहां पहुंचा और उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

ये है पूरा मामला: जानकारी के मुताबिक, 26 फरवरी की रात करीब 8 बजे विक्रम केवट (पिता) ने गीता राम केवट (बेटा) को शराब पीने से मना किया था और कहा था कि उसे शराब पीता देख उनके बच्चे भी बिगड़ेंगे। इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। विक्रम के भाई निर्मल प्रसाद (चाचा) ने दोनों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद विक्रम (पिता) दुकान की तरफ पान गुटका खाने चला गया। झगड़ा के 15-20 मिनट बाद गीता राम (बेटा) गुड़ी चौक पहुंचा और अपने पिता पर लोहे की डाई (रॉड) से कई बार वार किया। जिससे गंभीर रूप से विक्रम केवट घायल हो गया उपचार के लिए सक्ति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, 2 की मौत,1 घायल

एनएच 43 पर हादसा, शादी समारोह में जा रहा था परिवार, बच्ची गंभीर

मीडिया ऑडीटर, जशपुर (एजेंसी)। जशपुर जिले के पत्थलगांव में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई है। जिसका इलाज जारी है।

पत्थलगांव थाना क्षेत्र का मामला है। एनएच-43 पर हड्डी गोदाम के पास की घटना है। तीनों एक ही परिवार के सदस्य थे। वे पत्थलगांव से कांसाबेल शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

तीनों एक ही परिवार के अलग-अलग रिश्तेदार: तीनों एक ही परिवार के अलग-अलग रिश्तेदार हैं। मृतक विक्टर टोप्पो मनेंद्रगढ़, मृतक महिला रेशमा केरकेट्टा बहना टागर खपरा पारा की रहने वाली थी। वहीं, घायल बच्ची करिश्मा टोप्पो बंदियाखार चर्च गली निवासी है, जो काफी गंभीर हालत में है।

बच्ची को रेफर करने की तैयारी: खंड चिकित्सा अधिकारी जेम्स मिंज ने बताया कि बच्ची करिश्मा की हालत गंभीर है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया जाएगा। पत्थलगांव थाना प्रभारी विनीत पांडेय के अनुसार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है।

100 बच्चों ने रॉकेट बनाया, लॉन्च कर 100 फीट उड़ाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस है। इसी कड़ी में हम आपको छत्तीसगढ़ के उन नन्हें आदिवासी वैज्ञानिकों के बारे में बताएंगे, जिन्होंने 100 फीट तक उड़ने वाला रॉकेट बनाया और लॉन्च किया। नन्हें वैज्ञानिकों की 100 लोगों की टीम है, जिसे 10-10 के बैच में बांटा गया है। ये सभी नन्हें वैज्ञानिक 8-9वीं कक्षा के हैं, जो मनोरा के स्वामी आत्मानंद स्कूल के हैं। जशपुर में अभी ये सभी बच्चे रॉकेट और नैनो सैटेलाइट बनाना सीख रहे हैं। इन सभी बच्चों को कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन पर ट्रेनिंग दी जा रही है, ताकि बच्चे स्पेस के बारे में जान सकें।

अब जानिए कैसे हुई रॉकेट बनाने की शुरुआत: दरअसल, 4 महीने पहले रोहित व्यास कलेक्टर बनकर जशपुर आए थे। इस दौरान वे एक सरकारी स्कूल में गए। वहां उन्होंने बच्चों से रॉकेट के बारे में पूछा। बच्चे आधी-अधूरी जानकारी ही दे पाए, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि क्या वे रॉकेट बनाना सीखेंगे, तो सभी ने हां कहा।

रॉकेट बनाने 100 बच्चों को दी गई ट्रेनिंग: रॉकेट बनाने के लिए 8 ब्लॉक के 100 बच्चों का चयन किया गया। इसमें 10-10 बच्चों के 10 बैच बने। इन्हें ट्रेनिंग दी गई। इन्हें स्कूल टाइम के अलावा 8 घंटे की रॉकेटरी वर्कशॉप अलग से दी गई। हर बैच ने मिलकर 30 सेकेंड हवा में 100 फीट तक उड़ने वाला रॉकेट बनाया, मनोरा स्कूल के सभी बच्चों ने चिड़िया गांव के संगम स्थल पर रॉकेट की सफल लॉन्चिंग भी की। अब दूसरे स्कूलों के बच्चे भी विज्ञान के प्रति अपनी रुचि दिखा रहे हैं। बच्चों की संख्या बढ़ते क्रम में है।

ईसरो के साइंटिस्ट डॉ. श्रीनिवास पहुंचे जशपुर: कलेक्टर रोहित व्यास ने बताया कि उन्होंने जिले में अन्वेषण नवाचार नाम से एक कार्यक्रम शुरू किया है। इसमें अंतरिक्ष ज्ञान अभियान की शुरुआत की गई। सरकारी स्कूल के बच्चों को अंतरिक्ष की जानकारी देने के लिए इसरो से साइंटिस्ट डॉ. श्रीनिवास को बुलवाया गया था। सैटेलाइट कम्युनिकेशन के बारे में बच्चों को बताया गया। इसके अलावा स्टार गैजिंग वर्कशॉप का आयोजन भी समय-समय पर होता है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेष लेख

विज्ञान, धर्म, अंधविश्वास और समाज के विकास में वैज्ञानिक सोच की भूमिका बहुत जरूरी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हर साल 28 फरवरी को मनाया जाता है। यह दिन भारतीय वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकटरमन की महान खोज 'रमन प्रभाव' की याद में मनाया जाता है। उनकी इस खोज ने विज्ञान की दुनिया में क्रांतिकारी बदलाव लाया और भारत को वैश्विक वैज्ञानिक मंच पर पहचान दिलाई। विज्ञान का उद्देश्य तर्क, प्रयोग और अनुसंधान के माध्यम से सत्य की खोज करना है, जबकि धर्म नैतिकता, विश्वास और परंपराओं पर आधारित होता है। भारत में विज्ञान और धर्म दोनों की गहरी जड़ें हैं, लेकिन जब धर्म अंधविश्वास का रूप ले लेता है, तो यह समाज के लिए हानिकारक बन जाता है।

रमन प्रभाव और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का महत्वपूर्ण महत्व: 28 फरवरी 1928 को सर चंद्रशेखर वेंकटरमन ने अपनी महान खोज 'रमन प्रभाव' को दुनिया के सामने रखा था। इस खोज के लिए उन्हें 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। विज्ञान के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने 1986 में सरकार से इस दिन को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में घोषित करने का आग्रह किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इस दिन पूरे देश में विज्ञान से संबंधित कार्यक्रम, प्रदर्शनी, वैज्ञानिक संगोष्ठियाँ और नवाचार प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना और लोगों को विज्ञान के महत्व से अवगत कराना रहता है।

भारत में विज्ञान का ऐतिहासिक विकास: भारत में विज्ञान का विकास प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक लगातार हुआ है। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, नागार्जुन जैसे वैज्ञानिकों ने अपने समय में गणित, चिकित्सा, रसायन और खगोल विज्ञान में महान योगदान दिया। आधुनिक युग में सी.वी. रमन, होमी भाभा, विक्रम साराभाई, एपीजे अब्दुल कलाम जैसे वैज्ञानिकों ने भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। विज्ञान ने कृषि, चिकित्सा, अंतरिक्ष, उद्योग, और शिक्षा के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद की। हरित क्रांति से भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना, बायोटेक्नोलॉजी से अधिक उपज देने वाले बीज विकसित हुए, और डिजिटल क्रांति से देश में सूचना प्रौद्योगिकी का विस्तार हुआ। इसरो ने चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य एल-1 जैसी परियोजनाओं से भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान में अग्रणी बनाया।

धर्म समाज का नैतिक आधार: धर्म भारतीय संस्कृति और परंपराओं का अभिन्न अंग है। यह समाज में नैतिकता, अनुशासन और शांति बनाए रखने में सहायक होता है। धर्म व्यक्ति को ईमानदारी, सहिष्णुता, करुणा और सत्य जैसे गुण सिखाता है। योग और ध्यान जो धार्मिक परंपराओं से जुड़े हैं, आज वैज्ञानिक रूप् से सिद्ध हो चुके हैं कि यह मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। धार्मिक त्योहार और अनुष्ठान समाज को जोड़ने का काम करते हैं और विभिन्न समुदायों में आपसी भाईचारे और एकता को मजबूत करते हैं।

ज्यादा अंधविश्वास समाज के लिए हो सकता है खतरा: धर्म सकारात्मक दिशा में समाज को मार्गदर्शन देता है, लेकिन जब यह अंधविश्वास का रूप ले लेता है, तो यह समाज के लिए खतरा बन जाता है। अंधविश्वास के कारण वैज्ञानिक सोच की कमी हो जाती है। जैसे ग्रहण के समय भोजन न करना, बिल्ली के रास्ता काटने से अशुभ मानना, नींबू-मिर्च टांगने जैसी गैर-वैज्ञानिक धारणाएँ समाज में गहराई से हुई हैं। झूठे इलाज और तंत्र-मंत्र पर विश्वास करने से लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए डॉक्टर की बजाय झाड़-फूंक, ओझा, बाबा या तांत्रिक के पास जाते हैं, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। महिलाओं और कमजोर वर्गों को अंधविश्वास का सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ता है। कई इलाकों में 'चुड़ैल' बताकर महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है। आर्थिक रूप् से भी यह समाज के लिए नुकसानदायक होता है क्योंकि लोग ज्योतिषियों, तांत्रिकों और बाबाओं को भारी रकम देकर अपने भविष्य को सुधारने की कोशिश करते हैं, जो अक्सर धोखाधड़ी साबित होती है।

भारत में ही नहीं विश्व स्तर पर अंधविश्वास की स्थिति बढ़ती है: अंधविश्वास सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्व भर में मौजूद है। अफ्रीकी देशों में जादू-टोना और काले जादू में विश्वास कई लोगों की जान ले लेता है। चीन में फेंग शुई पर अत्यधिक विश्वास होने के कारण वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने से बचा जाता है। अमेरिका और यूरोप में एस्ट्रोलजी और टैरो कार्ड जैसी प्रथाएं वैज्ञानिक सोच को प्रभावित करती हैं।

कुलदीप जुनेजा के खिलाफ होगी कार्रवाई

बिलासपुर के दोनों जिलाध्यक्षों को भी शो-कॉज नोटिस, अमरजीत भगत के खिलाफ भी उठी कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के खिलाफ कांग्रेस कार्रवाई करेगी। ये फैसला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया है। दरअसल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ कुलदीप जुनेजा का सार्वजनिक बयान सामने आया था।

इसके बाद से प्रदेश पदाधिकारियों ने बैठक में कार्रवाई की मांग रखी। अब आगे की कार्रवाई के लिए हाईकमान को अनुशंसा भेजी जाएगी। बैठक में पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के पार्टी विरोधी बयान पर भी कार्रवाई की मांग उठी थी हालांकि इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया। वहीं बिलासपुर के दोनों जिला अध्यक्ष विजय केशरवानी और विजय पाण्डेय को शो-कॉज नोटिस भेजने का फैसला लिया गया है।

जानिए क्या है पूरा मामला: बागियों की खास तौर पर अजीत कुकरेजा की पार्टी में वापसी नहीं करने की मांग जुनेजा लगातार उठाते रहे हैं। इसी को लेकर पार्टी अध्यक्ष दीपक बैज की कार्यशैली पर भी जुनेजा ने सवाल उठाते हुए संगठन में तुरंत बदलाव की मांग की थी।

कुलदीज जुनेजा ने कहा था कि नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को नहीं, हमारे मौजूदा संगठन को हार मिली है। साथ ही पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को लेकर कहा कि, 4 चुनाव हार के बाद भी यदि इस्तीफा मांगा जाए तो शर्म की बात है। नैतिकता नाम की भी कोई चीज होती है, दीपक बैज को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस संगठन में जल्द बदलाव बहुत जरूरी है।

न प्रदेश में पकड़ बना, न कुछ काम किया। दीपक बैज की कार्यप्रणाली से कोई खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी नए अध्यक्ष आएंगे, उनसे इस लिस्ट को निरस्त करने की माँग करेंगे। साथ ही उम्मीद जताई कि संगठन में खरीद-फरोख्त की जांच के लिए जो मैंने पत्र लिख है, उस पर जांच होगी।

पार्टी ने भेजा था शो-कॉज नोटिस: पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा को पीसीसी ने शो-कॉज नोटिस भेजा है। पार्टी ने उन्हें सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर पार्टी विरोधी बयान देने के लिए यह नोटिस भेजा है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नोटिस के मुताबिक, पार्टी के आंतरिक मामलों पर चर्चा के लिए उचित मंच होने के बावजूद जुनेजा बार-बार सोशल मीडिया और अन्य सार्वजनिक मंचों पर अपनी राय व्यक्त कर रहे थे। इससे पार्टी संगठन की छवि को नुकसान पहुंचा है।

नोटिस में कहा गया है कि, प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। कुलदीप जुनेजा को 3 दिनों के भीतर लिखित में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

यह नोटिस प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू ने जारी किया गया है। इसकी प्रतिलिपि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और संबंधित पदाधिकारियों को भी भेजी गई है।

बैठक में इन मुद्दों को लेकर हुई चर्चा: कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में चल रही इस बैठक में नगरीय निकाय चुनाव में मिली हार और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की परफॉर्मेंस को लेकर समीक्षा की गई है। बैठक में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के निवास पर पुलिस की रैकी का मामला भी उठाया जाएगा, साथ ही कोंटा और सुकमा के राजीव भवन निर्माण पर भ्रष्ट की कार्रवाई और प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू के दिए गए जवाब के बाद आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।इन मुद्दों को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की रणनीति तैयार की जाएगी।

इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मंत्री उमेश पटेल और दोनों प्रभारी सचिव समेत तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद हैं।

सड़क पर बर्थ डे मनाने पर बैन

लंगर-भंडारा करने पर होगी कार्रवाई, चीफ सेक्रेटरी ने कहा- सड़कें चलने के लिए है, इवेंट के लिए नहीं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार अब बेवजह ट्रैफिक जाम करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने वाली है। सड़क पर बर्थडे मनाने पर बैन लगा दिया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने एक हाई प्रोफाइल बैठक में अधिकारियों को इस मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अधिकारियों से साफ कहा है कि सड़क चलने के लिए है, किसी तरह का इवेंट करने के लिए नहीं, जो भी इस तरह की हरकतों से ट्रैफिक को बाधित करेगा उसके खिलाफ अलग-अलग एक्ट के तहत कार्रवाई करिए। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के मुख्य समिति कक्ष में ये मीटिंग बुलाई। इस बैठक में मुख्य सचिव गृह मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, रायपुर एवं बिलासपुर के पुलिस महानिरीक्षक, रायपुर-बिलासपुर के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक, परिवहन, नगरीय प्रशासन, विधि विभाग के अफसर थे।

इसके बाद मीटिंग में सड़कों पर जन्मदिन मनाने, पंडाल लगाने, भंडारा आयोजित करने वालों के खिलाफ एक्शन लेने की बात तय की गई। बैठक में अफसरों से कह दिया गया कि चाहे कोई भी व्यक्ति हो, यदि सार्वजनिक मार्ग को अवरुद्ध करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि ऐसे लोगों पर एंटी-एंक्रोचमेंट एक्ट, मोटर व्हीकल एक्ट, नगर पालिका अधिनियम और दूसरी धाराओं में भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर करिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा, जन्मदिन, पार्टी या अन्य कोई भी निजी कार्यक्रम सार्वजनिक सड़कों पर आयोजित करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा न जाए।

पुलिस को निर्देश: बैठक में मुख्य सचिव जैन ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे किसी भी अवैध आयोजन को तुरंत रोकें और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करें। एसओपी तैयार करने के निर्देश भी उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को दिए। लोगों के बीच जाकर उन्हें अवेयर करते हुए ये बता दिजिए कि सार्वजनिक मार्गों पर अवैध आयोजन पूरी तरह प्रतिबंधित है।

दोबारा घटना हुई तो पुलिस वालों पर एक्शन लेंगे: मुख्य सचिव ने बैठक में ये भी साफ कह दिया कि कहीं घटना दोबारा हुई तो कार्रवाई वहां के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों पर होगी। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष सतर्कता दल (विजिलेंस टीम) गठित करें, जो ऐसी घटनाओं पर नजर रखेंगे और तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

विधायक पर हो चुकी है एफआईआर: कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव को करीब 7 महीने बाद मिली रिहाई का सड़क पर जश्न मनाया गया। इस जश्न के बाद लंबा ट्रैफिक जाम हो गया। इस पर गंज पुलिस ने देवेंद्र यादव, सुबोध हरितवाल, आकाश शर्मा समेत 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर के मुताबिक, देवेंद्र यादव के जेल परिसर से बाहर आने के बाद ये सभी नेता 500 से 600 की संख्या में सड़क पर जमा हो गए। जेल गेट के ठीक सामने कई गाड़ियां खड़ी कर दी गईं, जिससे पूरी सड़क जाम हो गई। चेतावनी दिए जाने के बावजूद किसी ने नहीं सुनी। कई यात्री बसें, आम लोग और एम्बुलेंस भी जाम में फंसी रहीं।

नगर पालिका निगम, नगर पालिका परिषद् तथा नगर पंचायत के लिए प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन नया रायपुर अटल नगर के परिपालन छत्तीसगढ़ नगर पालिका निगम अधिनियम 1956 की धारा 18 अधीन निर्वाचन की तारीख से 15 दिवस के भीतर तथा छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 55 के अधीन निर्वाचन के अधिसूचना की तारीख से एक माह के भीतर निर्वाचित महापौर, अध्यक्ष, पार्षद का शपथ ग्रहण व प्रथम सम्मिलन हेतु कलेक्टर ने आदेश जारी कर जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के नगर पालिका परिषद् एवं नगर पंचायत हेतु प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया जाता है। प्राधिकृत अधिकारी एवं संबंधित नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत इस प्रकार हैं। नगर पालिका निगम हेतु प्राधिकृत अधिकारी कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, नगर पालिका परिषद् हेतु प्राधिकृत अधिकारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी मनेंद्रगढ़, नगर पंचायत झगराखाण्ड हेतु प्राधिकृति अधिकारी तहसीलदार मनेंद्रगढ़, नगर पंचायत नई लेदरी हेतु प्राधिकृत अधिकारी संयुक्त कलेक्टर जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, नगर पंचायत खोंगापानी हेतु प्राधिकृत अधिकारी डिप्टी कलेक्टर जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, नगर पंचायत जनकपुर हेतु प्राधिकृत अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी भरतपुर को नियुक्त किया गया है। प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निर्वाचित महापौर, अध्यक्ष एवं पार्षदों का शपथ ग्रहण 08 मार्च 2025 व प्रथम सम्मिलन 09 मार्च 2025 को आहूत करने हेतु विधिवत अपने स्तर पर सूचना पत्र जारी करेंगे।

जिले के 46 केन्द्रों में आज से बोर्ड परीक्षा प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा 1 मार्च 2025 से बोर्ड परीक्षा प्रारम्भ किया जा रहा है। एमसीबी जिले के जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि 1 मार्च 2025 से प्रारम्भ बोर्ड परीक्षा हेतु 46 केन्द्र निर्धारित किया गया है तथा जिले में कक्षा 10 वीं के 5153 छात्र/छात्राओं तथा कक्षा 12 वीं के 3913 कुल 9066 विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। जिला शिक्षा अधिकारी मिश्रा ने बताया कि पूर्व में माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा गोपनीय सामग्री का वितरण कर नजदीकी पुलिस थानों में सुरक्षित रखा दिया गया है। परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा अधिकारी व विकासखण्ड स्तर पर उड़न दस्ता दल की नियुक्ति कर दी गई है।

बस स्टैण्ड एवं स्कूलों के आस-पास की गयी चालानी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खरे व जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र सोनी के मार्गदर्शन में कोटपा एक्ट 2003 के नियमों के पालन हेतु विकासखंड मनेंद्रगढ़ अंतर्गत बस स्टैंड के स्कूलों के आसपास में पान दुकानों, थोक किराना स्टोर्स आदि में धारा 4 व 6 के तहत कुल 11 चालानी कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालो के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई। सिगरेट/तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया। कोटपा नियमों का पालन करने हेतु समझाइश दी गई। दल का प्रतिनिधित्व डॉ. कीर्ति चौहान (जिला नोडल अधिकारी एनटीपीसी) डॉ. विक्की टोप्पो, आलोक मिंज, खाद्य निरीक्षक विनोद कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया।

उत्तराखंड में एवलांच, 57 मजदूर दबे, 16 का रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली में शुक्रवार सुबह 7.15 बजे एवलांच की वजह से 57 मजदूर बर्फ में दब गए। मजदूर 8 कंटेनर और एक शेड में थे। घटना बद्रीनाथ से 3 किलोमीटर दूर चमोली के माणा गांव में हुई। यहां बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन की टीम चमोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बर्फ हटाने के काम में लगी हुई है। मजदूर आरओ की टीम के साथ थे। सेना के मुताबिक घटना की जानकारी मिलते ही क्विक रिस्पॉन्स टीम के 100 से ज्यादा जवान तत्काल रेस्क्यू में जुटे। इसमें डॉक्टर, एम्बुलेंस स्टाफ भी शामिल हैं। सुबह 11.50 बजे टीम ने 5 कंटेनरों का पता लगाया और 10 मजदूरों को निकाला। इन लोगों को जोशीमठ और माणा के अस्पतालों में भेजा गया है। 10 में से 4 की हालत गंभीर है। सेना के मुताबिक 3 कंटेनरों की तलाश जारी है। अबतक कुल 16 मजदूरों का रेस्क्यू किया जा चुका है। 41 की तलाश जारी है।

पुणे रेप केस- आरोपी पुलिस कस्टडी में भेजा गया

पुणे (एजेंसी)। पुणे में खड़ी बस में 26 साल की लड़की से रेप के आरोपी रामदास गाडे गुरुवार को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे 12 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। क्राइम ब्रांच के डीसीपी निखिल पिंगले ने बताया- रामदास को शिरूर तहसील के गुनात गांव से गिरफ्तार किया गया। वह गन्ने के खेत छुपा हुआ था। इस दौरान गांववालों ने हमारी मदद की। गांववालों ने ही बताया था कि आरोपी गांव में है। रात में उसने एक घर से पीने का पानी और खाना मांगा। इस दौरान लोगों ने उसे पहचान लिया और जानकारी पुलिस को दे दी। पुणे पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा- आरोपी बीती रात 1=10 बजे गुनात गांव से पकड़ा गया। एक स्पेशल वकील नियुक्त किया जाएगा। हम केस को जल्दी पूरा करने की कोशिश करेंगे।

दिल्ली विधानसभा में हेल्थ डिपार्टमेंट पर सीएजी रिपोर्ट पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में हेल्थ डिपार्टमेंट से जुड़ी सीएजी रिपोर्ट रखी। 7 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी है। नर्स और डॉक्टर्स की संख्या पर्याप्त नहीं है। महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोग्राम में फंडिंग की कमी है। एंबुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं। आईसीयूएस की कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की कम से कम 21 मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं है। अस्पतालों में स्टाफ की कमी है। बड़े ऑपरेशन के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा कोविड-19 के दौरान केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को जो रकम दी थी, उसका इस्तेमाल ही नहीं किया गया। इस रिपोर्ट पर सोमवार को सदन में चर्चा होगी। इस बीच विधानसभा से सस्पेंड क्वविधायकों ने राष्ट्रपति से मिलने के लिए समय मांगा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025-छोटे उद्योगों के लिए बड़े अवसर तैयार-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीआईएस भोपाल से एमएसएमई क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं को और अधिक ऊचाईयाँ मिलेगी। इससे राज्य के युवाओं के उद्यमी बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एमएसएमई क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए पीएम-मुद्रा, पीएम-विश्वकर्मा और एमएसएमई क्रेडिट गारंटी योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाएँ पहले ही लांच की है। जीआईएस भोपाल में कई एमएसएमई कंपनियों से 21 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव आए। इनसे राज्य में 1.3 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे, साथ ऐसे युवाओं को उद्यमी बनने के अवसर मिलेंगे जो अब तक नौकरी की तलाश में थे।

जीआईएस भोपाल में 600 से अधिक बी-2-जी बैठकें और 5 हजार से अधिक बी-2-बी बैठकें आयोजित की गईं। इनमें उद्योगपतियों, निवेशकों और एमएसएमई कंपनियों ने भाग लिया। पहली बार एआई-आधारित बिजनेस मैच-मेकिंग टूल का उपयोग किया गया, जिससे सही साझेदारों को जोड़ने में सहायता मिली। इन बैठकों ने मध्यप्रदेश को एक वैश्विक औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मध्यप्रदेश सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। हाल ही में कैबिनेट में नई एमएसएमई पॉलिसी मंजूर की गई। नई एमएसएमई नीति में अविकसित भूमि का लघु, मध्यम और सूक्ष्म इकाइयों को आवंटन, फ्लैट आधारित उद्योग लगाने की अनुमति, औद्योगिक क्षेत्रों का विकास और रख-रखाव उद्योग संघों के माध्यम से, 53 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य, जिससे 86 लाख रोजगार सृजित होने की संभावना है। नई नीति में औद्योगिक भूमि आवंटन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ई-बिडिंग प्रणाली लागू की गई। प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों को आसान वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए नई योजनाएं शुरू की गई हैं। टैक्स इंसेंटिव, लैंड अलॉटमेंट और %ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस% में सुधार को ध्यान में रखकर एमएसएमई उद्यमियों की मदद के लिए नीति बनाई गई है। सेक्टर में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा देने के लिए एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ऑटोमेशन को अपनाने की दिशा में पहल की जा रही है। नई पॉलिसी में राज्य सरकार एमएसएमई के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाने के लिए विशेष योजनाओं पर कार्य कर रही है।

पटना, सुपौल समेत बिहार के 8 जिलों में भूकंप

पटना (एजेंसी)। बिहार में शुक्रवार सुबह 2=37 बजे भूकंप आया। पटना, सुपौल, किशनगंज, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, पूर्णिया, अररिया और कटिहार में लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। भूकंप के झटके करीब 5-10 सेकेंड तक महसूस किए गए। लोग घरों से बाहर निकल आए। कुछ लोग बर्तन और शंख बजाने लगे। भूकंप का केंद्र नेपाल का लिस्टीकोट रहा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.1 रही। भूकंप का प्रभाव नेपाल के साथ-साथ भारत और चीन में भी रहा। विभाग ने चेतावनी दी है कि केंद्र में तीव्रता अधिक होने के कारण छोटे-मोटे झटके और भी आ सकते हैं। राहत की बात यह है कि बिहार में कहीं भी जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले 17 फरवरी को भी दिल्ली के साथ बिहार के कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

पश्चिम बंगाल सीएम की चुनाव आयोग में शिकायत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिश कर रही हैं। सुवेंदु ने एक्स पर लिखा- आज मैंने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखकर ममता बनर्जी की चुनाव आयोग की छवि धूमिल करने की कोशिश को उजागर किया। उन्होंने सारी हदें पार कर दी हैं और बिना किसी आधार के आयोग पर आरोप लगाए हैं। दरअसल, ममता ने 27 फरवरी को आरोप लगाया था कि भाजपा ने दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव फर्जी वोटरों के जरिए जीता है। इसमें चुनाव आयोग ने भाजपा की मदद की है। इन आरोपों पर आज सुवेंदु की प्रतिक्रिया आई है। ममता ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेताओं ने ईसी के ऑफिस में बैठकर ऑनलाइन फर्जी मतदाता सूची बनाई है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के हर जिले में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा है। ज्यादातर वोटर गुजरात और हरियाणा से हैं। मैं बंगाल के लोगों से अपील करती हूं कि वे वोटर लिस्ट की जांच करें।

सुप्रीम कोर्ट में हुई किसान आंदोलन पर सुनवाई

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसान आंदोलन 2.0 को शुरू हुए एक साल से ज्यादा हो गया है। वहीं, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन का आज 95वें दिन पूरा हो गया है।। हालांकि, चार दिनों से उनकी तबीयत खराब चल रही है। दूसरी ओर, आज किसान आंदोलन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस मौके पर सरकारी वकीलों ने शीर्ष अदालत को बताया कि किसानों और केंद्र सरकार के बीच 14 और 22 फरवरी को दो बैठकें हो चुकी हैं, जबकि अगली बैठक 19 मार्च को होनी है। बैठक में राज्य सरकार के दो मंत्री भी शामिल हुए हैं। ऐसे में अगली तारीख इस बात को ध्यान में रखते हुए दी जानी चाहिए। कोर्ट ने हाई पावर कमेटी के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि कमेटी के सदस्यों को कुछ नहीं दिया जा रहा है। कमेटी में एक पूर्णकालिक सदस्य है, उसे भी कुछ नहीं मिल रहा है। कोर्ट ने पूछा कि कमेटी की कितनी बैठकें हो चुकी हैं। वकीलों ने कहा कि इस साइट पर दो बार बैठक हो चुकी है। इसी तरह चेयरमैन को प्रति बैठक 2 लाख रुपए दिए जा सकते हैं। अन्य सदस्य जो कोई पैसा नहीं ले रहे हैं, उन्हें 1 लाख रुपए मानदेय दिया जा सकता है। संयुक्त किसान मोर्चा के एसकेएम नेताओं की शंभू और खनौरी मोर्चा के नेताओं के साथ एकजुटता के लिए छह घंटे चली बैठक बेनतीजा रही।

तेलंगाना टनल हादसा, मजदूरों के जिंदा बचने की संभावना कम

नागरकुर्नूल (एजेंसी)। तेलंगाना के नागरकुर्नूल में निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह गया था। घटना को 6 दिन बीत चुके हैं। लेकिन टनल में फंसे 8 मजूदरों को अबतक नहीं निकाला जा सका है। रेस्क्यू जारी है।

शुक्रवार को साउथ सेंट्रल रेलवे की 2 टीमें भी रेस्क्यू के लिए पहुंचीं। टीम भारी धातुओं को प्लाज्मा कटर और ब्रॉक कटिंग मशीन जैसे आधुनिक उपकरणों से काटने रास्ते से हटा रही है। नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक भी मौके पर पहुंचे हैं। ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार की मदद से मलबे में दबे मजदूरों ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। किसी भी मजदूर के जीवित मिलने की संभावना बहुत कम लग रही है।

नागरकुरनूल के एसपी वैभव गायकवाड़ ने बताया कि मलबा हटाने और लोहे की छड़ों की कटिंग का काम लगातार जारी है। गुरुवार सुबह से मलबा साफ करने और टनल के पानी को बाहर निकालने का काम चल रहा है। शुक्रवार सुबह 7 बजे एक टीम टनल में गई।

स्टालिन बोले- हमारे सामने भाषा-डिलिमिटेशन की लड़ाई

चेन्नई (एजेंसी)। स्टालिन बोले- निर्वाचन क्षेत्रों का डिलिमिटेशन हमारे राज्य के आत्म-सम्मान, सामाजिक न्याय और लोगों के कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित करता है तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने अपने जन्मदिन पर जनगणना आधारित सीट बंटवारे और ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने राज्य की जनता से इस मुद्दे पर एकजुट होकर विरोध करने की अपील की। स्टालिन ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा- तमिलनाडु आज दो महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। पहला भाषा की लड़ाई, जो

हमारी पहचान है और दूसरा हमारे निर्वाचन क्षेत्रों का डिलिमिटेशन, जो हमारा अधिकार है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप हमारी लड़ाई को लोगों तक पहुंचाएं। तमिलनाडु सीएम ने कहा- निर्वाचन क्षेत्रों का डिलिमिटेशन हमारे राज्य के आत्म-सम्मान, सामाजिक न्याय और लोगों के कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावित करता है। प्रत्येक लोगों को अपने राज्य की रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए। स्टालिन ने 5 मार्च को 40 राजनीतिक पार्टियो को बैठक के लिए बुलाया है। इसमें डिलिमिटेशन, नीट परीक्षा, ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी और केंद्र से मिलने वाले फंड पर भी चर्चा होगी। स्टालिन बोले- एआई के दौर में भाषा का बोझ डालना गलत स्टालिन ने एक्स पर लिखा-एआई और एडवांस टेक्नोलॉजी के दौर में छात्रों पर अन्य भाषा का बोझ डालना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा- प्रगति इनोवेशन में है, भाषा थोपने में नहीं।

तुहिन कांत पांडे होंगे नए एसईबीआई चीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने वित्त सचिव तुहिन कांत पांडे को अगला सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की है। तुहिन अगले 3 सालों के लिए इस पद पर रहेंगे। वे मौजूदा सेबी चीफ माधबी पुरी बुच की जगह लेंगे। जो 28 फरवरी को रिटायर हो रही हैं। तुहिन कांत पांडे ओडिशा कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे मोदी 3.0 सरकार में भारत के सबसे व्यस्त सचिवों में से एक हैं। वे फिलहाल केंद्र सरकार में चार महत्वपूर्ण विभागों को संभाल रहे हैं। उन्हें 7 सितंबर 2024 को वित्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था। सरकार ने 27 जनवरी को नए सेबी चीफ के एप्लिकेशन मांगे थे वित्त मंत्रालय ने नए चेयरमैन की नियुक्ति के लिए 27 जनवरी को एप्लिकेशन मांगी थी। बुच का कार्यकाल 3 साल का था। उन्होंने 2 मार्च 2022 को अजय त्यागी की जगह ली थी। बुच 2017 से 2022 तक एसईबीआई में होल-टाइम मेंबर थीं। माधबी पुरी बुच अपने सख्त स्वभाव के लिए जानी जाती हैं। नए सेबी चीफ को ?5.62 लाख सैलरी मिलेगी नए सेबी चीफ को केंद्र सरकार के सेक्रेटरी के बराबर सैलरी और बाकी सुविधाएं मिलेंगी या बिना कार और घर के 5 लाख 62 हजार 500 रुपए हर महीने सैलरी मिलेगी।

आखिरकार पीथमपुर में जलाया जा रहा भोपाल का जहरीला कचरा

पीथमपुर (एजेंसी)। पीथमपुर के तारपुरा गांव में रामकी एनवायरो फैक्ट्री में यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाना शुरू कर दिया गया है। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे कचरा भस्मक में डाला गया। इंसीनरेटर का तापमान अभी 900 डिग्री है। दूसरे चरण में 1100 से 1200 डिग्री तापमान पर कचरा जलेगा। इसके बाद तीसरी स्टेप में इसे गैस फ्लू ड्रायर में डाला जाएगा। यहां कचरे को पानी और सोडियम सल्फाइड के घोल से गुजारेंगे। केमिकल के छन जाने के बाद राख को सुरक्षित जमीन में दफन कर दिया जाएगा।

फैक्ट्री के इंसीनरेटर में पहले ट्रायल रन में 10 टन कचरा नष्ट किया जाएगा। मौके पर मध्यप्रदेश प्रदूषण बोर्ड के अधिकारी, धार के जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्र, एसपी मनोज कुमार सिंह समेत अन्य अफसर मौजूद हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम दो विशेषज्ञ डाक्टरों के साथ कंपनी परिसर के बाहर हैं। फैक्ट्री परिसर के अंदर स्पेशल आर्म्ड फोर्स के 130 जवान तैनात हैं। परिसर के बाहर डीएसपी रैंक के अधिकारी भी हैं। आसपास के सभी रास्तों की नाकाबंदी की गई है। बिना पूछताछ किसी को भी कंपनी परिसर के पास जाने की इजाजत नहीं है। वहीं, पीथमपुर शहर में इंदौर देहात और धार जिले के 24 थानों के

पुलिसकर्मी सुरक्षा-व्यवस्था संभाल रहे हैं। करीब 650 जवान शहर के अलग-अलग चौराहों, कॉलोनियों और तारपुरा गांव में मौजूद हैं। 10 से ज्यादा गाड़ियां शहर भर में गश्त कर रही हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर सरकार कोर्ट का बहाना बना रही है। इसके पीछे उनके नेताओं के आर्थिक हित छिपे थे। मैं स्थानीय नेताओं और प्रशासन को चुनौती देता हूं कि रामकी कंपनी के आस-पास के 10 किलोमीटर के भू-जल की जांच की जाए अगर उसमें कैंसर के तत्व नहीं मिलेंगे तो मैं सार्वजनिक माफी मांगूगा। इस पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने पलटवार किया- भोपाल में 10 लाख से ज्यादा लोग यूनियन कार्बाइड के कारण मारे गए थे। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रशासन की लापरवाही थी। उन्होंने एक तरफ भोपाल को मरने के लिए छोड़ दिया था, दूसरी तरफ अब डराने का काम कर रहे हैं। माफी तो उन्हें मांगनी ही चाहिए।

राम रहीम की पैरोल के खिलाफ याचिका खारिज

अमृतसर (एजेंसी)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल और फरलो पर रिहा किए जाने के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाकर जनहित याचिका दायर नहीं की जा सकती। अगर किसी नियम का उल्लंघन किया गया है या हाईकोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया गया है तो उसे हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। यह याचिका शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने दायर की थी।

याचिका में राम रहीम को 2022 से अब तक बार-बार जेल से बाहर आने की अनुमति दिए जाने का विरोध किया गया था। एसजीपीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार लगातार राम रहीम को पैरोल और फरलो देकर जेल से बाहर रहने का मौका दे रही है, जो कानून का उल्लंघन है। राम रहीम की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण यह याचिका दायर की गई है। उन्होंने एसजीपीसी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब याचिकाकर्ता खुद को धार्मिक संगठन कहता है तो वह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की बात कैसे कर सकता है? इस पर एसजीपीसी के वकील ने कहा कि जब राम रहीम खुद को धार्मिक व्यक्ति मानते हैं तो उन पर राजनीतिक द्वेष का आरोप क्यों लगाया जा रहा है? सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हाई कोर्ट ने पहले ही यह स्पष्ट किया था कि सरकार नियमों के अनुसार परोल की मांग पर विचार कर सकती है। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि पिछले साल राम रहीम की रिहाई हाई कोर्ट के आदेशों के खिलाफ थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि ऐसा है, तो राज्य सरकार के खिलाफ हाई कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की जा सकती है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में इसे जनहित याचिका के रूप में पेश नहीं किया जा सकता।

वुशु एथलीट को आया हार्ट अटैक, मैच के दौरान ही तोड़ा दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में हार्ट अटैक के केस बढ़ते ही जा रहे हैं। इससे अब एथलीट भी अछूते नहीं रह गए हैं क्योंकि जयपुर के एक वुशु एथलीट की हार्ट अटैक के कारण मौत हो गई। दरअसल, ये मामला चंडीगढ़ का है जहां तीन दिन पहले ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी वुशु चैंपियनशिप खेली जा रही थी। एक फाइट के दौरान 21 वर्षीय मोहित शर्मा को हार्ट अटैक आ गया।

उन्हें तुरंत चंडीगढ़ में सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। वुशु चैंपियनशिप के आयोजक दीपक कुमार ने बताया कि मोहित पहला राउंड जीत चुका था और दूसरे राउंड में भी आगे चल रहा था। रिंग में दाखिल होने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और मुंह के बल नीचे गिर पड़े। रेफरी ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन उसका प्रयास असफल रहा। दीपक कुमार ने बताया कि मोहित की मौत हो चुकी थी। मोहित को हार्ट अटैक आने का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी शेयर हो रहा है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उस क्षेत्र के एसएचओ ने बताया कि यूनिवर्सिटी में आयोजित हुए टूर्नामेंट के दौरान मोहित शर्मा की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई।

शव को खरार के सरकारी अस्पताल के शवगृह में रखा गया है।

क्रिकेट प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर, भारत-पाकिस्तान के बीच होंगे 3 और मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। इस साल तीन और भारत-पाकिस्तान मैच देखने को मिल सकते हैं। बताया जा रहा है कि पुरुषों का एशिया कप का आयोजन सितंबर में हो सकता है। ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला देखने को मिल सकता है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने सितंबर के दूसरे और चौथे सप्ताह के बीच टूर्नामेंट के लिए एक अस्थायी विंडो पर फैसला किया है।

यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। महाद्वीपीय टूर्नामेंट का 17वां संस्करण, जिसमें 19 मैच होंगे, शुरुआत में भारत में आयोजित होने वाला था। हालाँकि, भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों के बीच, एसीसी एक तटस्थ स्थान चुनने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि आयोजन स्थल अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन अधिकारी श्रीलंका और यूएई के बीच विचार-विमर्श कर रहे हैं। हालांकि बीसीसीआई मेजबान बना रहेगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एसीसी ने फैसला किया है कि दोनों देशों के ऐतिहासिक तनाव के कारण भारत या पाकिस्तान की मेजबानी में सभी संस्करण तटस्थ देश में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 2025 संस्करण का आधिकारिक मेजबान रहेगा। मौजूदा 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की अगुवाई में भी यही तनाव था, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान को करनी थी, क्योंकि बीसीसीआई, अंतर्राष्टीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच चर्चा के कारण शेड्यूल जारी करने में देरी हुई थी।

बीसीसीआई को भारत सरकार से मंजूरी नहीं मिलने के कारण रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं कर सकी। इसलिए, महीनों की चर्चा के बाद, दुबई को भारत के सभी मैचों के आयोजन स्थल के रूप में चुना गया। शुरू से ही इसी तरह के विवाद से बचने के लिए, एसीसी एशिया कप के सभी 19 खेलों के आयोजन के लिए एक तटस्थ स्थान पर निर्णय लेने के लिए उत्सुक रहा है।

मीराबाई मोटापे के खिलाफ लड़ाई में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मोटापे के खिलाफ लड़ाई में शामिल होते हुए ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने सोमवार को जोर देते हुए कहा कि जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव इस 'बड़ी स्वास्थ्य समस्या' से निपटने में महत्वपूर्ण अंतर पैदा कर सकते हैं।

इस पहल की शुरुआत सोमवार को हुई जब प्रधानमंत्री मोदी ने मोटापे से निपटने के प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए चानू सहित विभिन्न क्षेत्रों से 10 व्यक्तियों को नामित किया। प्रधानमंत्री ने इससे एक दिन पहले ही लोगों से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया था जिसके बाद उन्होंने यह घोषणा की। तीस वर्षीय पूर्व विश्व चैंपियन भारोत्तोलक मीराबाई ने 'एक्स' पर लिखा, ''मोटापे के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा नामित किए जाने पर बहुत खुशी है। यह एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है जिसे सही जीवनशैली का विकल्प चुनकर और सक्रिय, स्वस्थ और फिट रहने का विकल्प चुनकर समाप्त किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''हमें भारत के इस दिशा में आगे बढ़ने और हमारी विकास यात्रा का समर्थन करने की जरूरत है। हमारे दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करने से देश में बड़े बदलाव हो सकते हैं और भारत को फिट बनाने के हमारे सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।''

अफगानिस्तान ने किया बड़ा उलटफेर, ग्रुप बी में दिलचस्प हुई सेमीफाइनल की रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड के बड़े उलटफेर ने ग्रुप बी में टीमों के लिए सभी तरह के रास्ते खोल दिए हैं। जोस बटलर की टीम के टूर्नामेंट से बाहर होने से प्रतियोगिता में अन्य टीमों के लिए सभी तरह के रास्ते खुल गए हैं। केवल एक दौर के मैच बचे हैं, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के पास प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर है। गौरतलब है कि ग्रुप स्टेज मुकाबले के आखिरी दौर में ऑस्ट्रेलिया 10 मार्च को अफगानिस्तान से भिड़ेगा, जबकि इंग्लैंड 11 मार्च को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। दिलचस्प बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया को नॉकआउट

चरण के लिए क्वालीफाई करने के लिए अफगानिस्तान को हराना होगा। हालाँकि, अगर टीम अफगानिस्तान के खिलाफ मैच हार जाती है, तो उनकी उम्मीदें इंग्लैंड पर टिकी होंगी और उम्मीद करेंगे कि जोस बटलर की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करेगी और सुनिश्चित करेगी कि प्रोटियाज का नेट रन रेट ऑस्ट्रेलिया से नीचे चला जाए। दूसरी ओर, अफगानिस्तान को क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी और हार का मतलब होगा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है, अगर ऑस्ट्रेलिया अफगानिस्तान को हरा देता है तो प्रोटियाज़ नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर जाएगा। हालाँकि, यदि ऑस्ट्रेलियाई टीम हार जाती है, तो दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड को हराना होगा या कम से कम यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका नेट रन रेट ऑस्ट्रेलिया से ऊपर रहे। इसके अलावा, यदि दक्षिण अफ्रीका इंग्लैंड से अपना मुकाबला हार जाता है, और ऑस्ट्रेलिया अफगानिस्तान के खिलाफ अपना खेल हार जाता है, तो इसका मतलब यह होगा कि अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका क्वालीफाई कर लेंगे, यह देखते हुए कि दक्षिण अफ्रीका का नेट रन रेट ऑस्ट्रेलिया से बेहतर है।

बीएफआई के चुनाव जल्द से जल्द कराने की जरूरत, मैं खुद लड़ने को तैयार हूं-विजेंदर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले और एकमात्र पुरुष मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के जल्द से जल्द नए सिरे से चुनाव कराने की अपील करते हुए कहा कि अगर मौका मिला तो वह चुनाव लड़ने में संकोच नहीं करेंगे। बीजिंग ओलंपिक 2008 के कांस्य पदक विजेता 39 वर्षीय विजेंदर अभी पेशेवर सर्किट में खेल रहे हैं हालांकि उन्होंने 2022 के बाद से कोई मुकाबला नहीं लड़ा है।

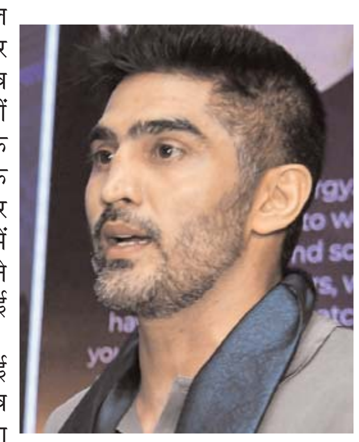

विजेंदर ने पीटीआई से कहा, ''जब भी चुनाव हों, मैं उनमें खड़ा होना चाहूंगा। मैंने पूरी जिंदगी संघर्ष किया है, यह मेरे लिए एक और लड़ाई होगी। मुझे नहीं पता कि मुझे समर्थन मिलेगा या नहीं, लेकिन मैं चुनाव लड़ने से नहीं डरता।'' उन्होंने कहा, ''अगर मुझे बदलाव करने का मौका मिलता है तो मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं एक खिलाड़ी के रूप में संन्यास लेने जा रहा हूं। ऐसा मैं कभी नहीं करूंगा।''

इससे पहले इस स्टार मुक्केबाज ने अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय मुक्केबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए यह जरूरी है कि वे विदेश में अभ्यास करें। विजेंदर ने प्रधानमंत्री कार्यालय और खेल मंत्री मनसुख मांडविया को टैग करते हुए लिखा, '' इसके लिए, हमें एक मजबूत महासंघ बनाने के लिए जल्द से जल्द नए और निष्पक्ष चुनाव कराने की जरूरत है। अगर सरकार हमें कोई जिम्मेदारी देती है तो मुझे अपने अनुभव से योगदान करने में खुशी होगी।''

उनकी यह टिप्पणी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा बीएफआई के चुनावों में देरी का हवाला देते हुए महासंघ के कामकाज तदर्थ समिति को सौंपने के कुछ दिनों बाद आई है। अजय सिंह के नेतृत्व वाले बीएफआई ने फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती देने का वादा किया है और आईओए के आदेश को अवैध बताया है। बीएफआई पदाधिकारियों का कार्यकाल तीन फरवरी को समाप्त हो गया था।

जीत के क्रम को इंग्लैंड के खिलाफ दोहराने उतरेगी भारतीय पुरूष हॉकी टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ लगातार दो जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने से ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ सोमवार को एफआईएच प्रो लीग के मैच में इसी लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट में औसत शुरूआत के बाद जीत की राह पर लौटी भारतीय टीम छह मैचों में 12 अंक लेकर फिलहाल चौथे स्थान पर है और घरेलू चरण पूरा होने से पहले और सफलता अर्जित करना चाहेगी। दूसरी ओर इंग्लैंड छह मैचों में 13 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है जिसे पिछले मैच में स्पेन ने 4 . 1 से हराया। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम ने नये सत्र में आशातीत शुरूआत नहीं की। स्पेन और जर्मनी के खिलाफ भारत को मिली जुली सफलता मिली। स्पेन ने उसे 3 . 1 से हराया जबकि पेरिस खेलों में कांस्य पदक के मुकाबले में भारत ने इसी स्पेनिश टीम को मात दी थी। रिटर्न मैच में भारत ने हालांकि स्पेन पर 2 . 0 से जीत दर्ज की। पेनल्टी कॉर्नर भारत की कमजोर कड़ी बना हुआ है और इसी वजह से जर्मनी ने उसे 4 . 1 से हराया। कप्तान और अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की वापसी से हालांकि भारत ने दूसरे मैच में एक गोल से जीत हासिल की।

मेरे अंदर अब भी खेल की वह भूख है कि मैं और बेहतर कर सकती हूं-सिंधू

मुंबई (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने खिलाड़ियों के लिए कड़ी मेहनत और निराशाओं से जल्दी आगे बढ़ने पर जोर दिया और साथ ही कहा कि उनमें अब भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधू ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों लेकिन एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए।

सिंधू ने मंगलवार को यहां 'नैसकॉम टेक्नोलॉजी एंड लीडरशिप फोरम' के दौरान कहा, ''आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा।'' उन्होंने कहा, ''लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए? लेकिन मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून और मेरे अंदर अब भी वह भूख है कि हां, मैं और बेहतर कर सकती हूं।''

अब ये एथलीट कपल लेने जा रहा तलाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों खेल जगत में तलाक की खबरें जोरों पर हैं। पहले हार्दिक पंड्या अपने पत्नी नताशा से तलाक लेकर अलग हो गए। वहीं हाल ही में कहा जा रहा है कि क्रिकेटर युजवेंद्र चहल भी अपनी पत्नी धनाश्री वर्मा से अलग हो गए हैं। इसके अलावा कहा जा रहा है कि, दिग्गज खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग भी अपनी पत्नी आरती से ग्रे डिवॉर्स ले रहे हैं। वहीं इस लिस्ट में हरियाणा की वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा और उनके पति भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा का नाम जुड़ गया है।

दरअसल, हरियाणा की वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा और उनके पति भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा की शादी टूटने की कगार पर है। वहीं स्वीटी बूरा ने दीपक पर फॉर्च्यूनर और एक करोड़ मांगने का आरोप लगाया है। वहीं हुड्डा ने स्वीटी और उसके परिवार पर संपत्ति हड़पने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ रोहतक और हिसार के पुलिस थाने में शिकायत की है।

खबर है कि बूरा ने कोर्ट में खर्चे और तलाक का केस भी दायर कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हाल ही में बूरा को अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया था। साल 2020 में हुड्डा को अर्जुन अवॉर्ड मिला था।

हिसार के एसपी शशांक कुमार सावन ने बताया है कि, हुड्डा को नोटिस देकर जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वो नहीं आए। हिसार पुलिस को दी शिकायत में बूरा ने बताया कि उनकी हुड्डा से 7 जुलाई 2022 को शादी हुई थी। माता-पिता ने शादी में एक करोड़ से ज्यादा पैसे खर्चे थे। 4 दिन पहले दीपक और उसकी बहन ने फॉर्च्यूनर गाड़ी मांगी, खेल छुड़वाने का दबाब बनाया। हुड्डा ने 2024 में महम से विधानसभा चुनाव लड़ा था। जिसमें परिवार ने एक करोड़ रुपये लाने को कहा। अक्टूबर 2024 में मारपीट कर उसे से निकाल दिया गया। उन्होंने कोर्ट में तलाक व खर्चे का केस दायर कर 50 लाख का मुआवजा और डेढ़ लाख रुपये मासिक खर्च मांगा है। वहीं हुड्डा ने रोहतक पुलिस को दी शिकायत में कहा कि बूरा के माता-पिता ब्याज पर रुपये देने के लिए बहाने उससे पैसे ठगते रहे। वह शादी तोड़ने की धमकी देती थी। उन्होंने कहा कि वह घर तोड़ना चाहती हैं और मैं बसाने के हक में हूं।

बारिश के कारण पाकिस्तान-बांग्लादेश मैच रद्द, चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमों का सफर खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को चैंपियंस ट्रॉफी का मैच लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया। 29 वर्षों में घरेलू धरती पर अपने पहले आईसीसी टूर्नामेंट में, पाकिस्तान का अभियान निराशा में समाप्त हुआ और एक भी जीत हासिल करने में असफल रहा। पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों अपने पहले दो ग्रुप मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। इस तरह दोनों टीमों ने अंक बांटकर अपना अभियान निराशाजनक तरीके से समाप्त किया। इससे पहले मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था।

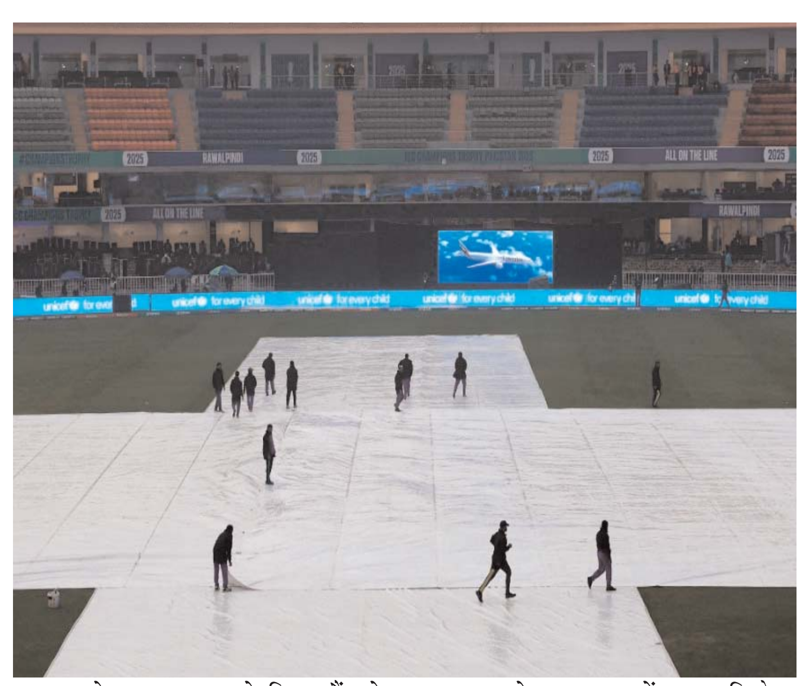

पाकिस्तान को अपने ख़राब प्रदर्शन के लिए भारी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसमें दुबई में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से छह विकेट की हार भी शामिल है। इस सप्ताह के शुरू में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच रद्द हुए मैच के बाद, टूर्नामेंट के दौरान रावलपिंडी में यह दूसरा बारिश का कारण है। यह लगातार तीसरा आईसीसी टूर्नामेंट है जहां 2023 वनडे विश्व कप और पिछले साल के टी20 विश्व कप में जल्दी बाहर होने के बाद पाकिस्तान पहले दौर से आगे बढ़ने में विफल रहा है। पाकिस्तान के सहायक कोच अज़हर महमूद ने कहा, यह हमारे लिए चौंकाने वाली बात है कि हम आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा नहीं खेल पाए। महमूद ने बताया कि सलामी बल्लेबाजों फखर जमान और सैम अयूब की चोटों का काफी प्रभाव पड़ा, क्योंकि पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पूरे मैचों में 308 डॉट गेंदें खेलीं। महमूद ने कहा, हमने इस प्रारूप में अच्छा क्रिकेट खेला है, लेकिन चोटों के कारण इस टूर्नामेंट में यह अच्छा नहीं रहा। उन्होंने कहा, %भारत के खिलाफ हमने खुद पर काफी दबाव लिया, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां सुधार करने की जरूरत है। यह सब अनुकूलन करने और जिम्मेदारी लेने के बारे में है।

जिला पंचायत अध्यक्ष का विवादास्पद बयान

महिला सदस्यों ने काली पट्टी बांधकर किया विरोध, सदन से किया वॉकआउट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिला पंचायत के सामान्य सम्मेलन में शुक्रवार को बजट आवंटन को लेकर जमकर हंगामा हुआ। महिला पंचायत सदस्यों ने बजट में हिस्सेदारी की मांग को लेकर अध्यक्ष रामखेलावन कोल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। नाराज महिला सदस्य काली पट्टी बांधकर सदन में पहुंचीं और बजट आवंटन का ब्योरा मांगा।

इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि जब चुनाव में वोट नहीं दिया तो अब बजट क्यों मांग रही हो। इस टिप्पणी से महिला सदस्य आक्रोशित हो गईं और अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन में धरना दिया। मामला इतना बढ़ गया कि सीईओ संजना जैन को हस्तक्षेप करना पड़ा, लेकिन उनके समझाने के बाद भी मामला शांत नहीं हो सका।

महिला सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए वॉकआउट कर दिया: दरअसल, पिछली बैठक में भी बजट और कार्य योजना को लेकर विवाद हुआ था। महिला सदस्यों का आरोप है कि दो साल से क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए कोई राशि नहीं मिली है। इससे नाराज होकर भाजपा और कांग्रेस समर्थित महिला सदस्य विमला कोल, एकता सिंह, लक्ष्मी मवासी, जान्हवी यादव, सावित्री त्रिपाठी, मंजुलता सिंह और पूजा गुज्जर ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

सेंट्रल जीएसटी ने ज्वेलरी शॉप पर छापा मारा

राजेश ऑर्नामेंट्स में जबलपुर की टीम ने दी दबिश, कर चोरी की जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के बीच बाजार पन्नीलाल चौक स्थित राजेश ऑर्नामेंट्स में सेंट्रल जीएसटी की टीम ने छापेमारी की। जबलपुर से आई टीम ने शुक्रवार दोपहर ढाई बजे यह कार्रवाई की।

टीम ने शोरूम का शटर बंद किया: कर चोरी की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई है। जीएसटी टीम ने शोरूम का शटर बंद कर दिया है। टीम खरीद-बिक्री के साथ अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, इस जांच में बड़ी कर चोरी का खुलासा हो सकता है।

13 साल पुराने उचेहरा अस्पताल गोलीकांड में फैसला

अदालत ने सभी 13 आरोपियों को किया बरी, मरीज की मौत के बाद हुआ था बवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के उचेहरा सिविल अस्पताल में 13 साल पहले हुए गोलीकांड मामले में अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है। अपर सत्र न्यायाधीश ने गुरुवार को यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया।

मामला 2012 का है, जब पोड़ी गरादा गांव के राजकुमार सिंह पटेल को करंट लगने के बाद उचेहरा अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर मॉर्चुरी भेजने को कहा। मॉर्चुरी ले जाते समय राजकुमार की सांसें चल रही थीं। इस पर परिजनों में आक्रोश फैल गया। डॉक्टर प्रजापति ने मरीज को सतना जिला अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में राजकुमार की मौत हो गई।

इस घटना से नाराज होकर परिवार और उचेहरा क्षेत्र के हजारों लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बुलाया गया। पुलिस की फायरिंग में दो लोग घायल हुए।

पुलिस ने इस मामले में 13 लोगों को नामजद आरोपी बनाया। इनमें कांग्रेस नेता अतुल गौतम, बसपा नेता रामानंद सिंह और जनपद सदस्य डॉक्टर लालबहादुर सिंह समेत कई प्रमुख लोग शामिल थे। सभी पर अपराध क्रमांक 157/2012 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। एक आरोपी अतुल गौतम को एक साल पहले ही बरी कर दिया गया था।

एंबुलेंस में डिलीवरी, परिजन से धुलवाई गाड़ी

मां-नवजात अस्पताल में भर्ती, वीडियो वायरल होने के बाद ड्राइवर-अटेंडर को हटाया

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले में अमानवीय घटना सामने आई है, जहां एक एंबुलेंस ड्राइवर ने मानवता को शर्मसार कर दिया। जिले के अमरपाटन सिविल अस्पताल में भर्ती होने पहुंची प्रसूता के परिजनों को ही एंबुलेंस साफकरने को मजबूर कर दिया गया।

घटना अमरपाटन ब्लॉक के पगरा गांव की है। गुरुवार दोपहर गर्भवती ममता कोल को 108 एम्बुलेंस (सीजी 04 एनजेड 1305) से अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी डिलीवरी हो गई। अस्पताल पहुंचने पर मां और नवजात को भर्ती कर लिया गया।

इसके बाद एंबुलेंस ड्राइवर ने प्रसूता के परिजनों से वाहन की सफाई करवाई। वे नल से पानी भरकर एम्बुलेंस धोने लगे, जिसका वीडियो वायरल हो गया।

सरकार ने अनुबंधित संस्था को नोटिस किया जारी: सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी ने कहा कि एंबुलेंस की सफाई की जिम्मेदारी ड्राइवर और स्टाफ की होती है। प्राथमिक जांच के एम्बुलेंस ड्राइवर और अटेंडर को पद से हटा दिया गया है। उन्होंने राज्य शासन स्तर से अनुबंधित संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

रामभद्राचार्य का धर्म सभा में ऐलान

हिंदुओं की रक्षा के लिए सब कुछ त्यागने को तैयार, कहा- कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में चल रहे रुद्र महायज्ञ में चित्रकूट के तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने एक बयान दिया है। नागौद ब्लॉक के शिवराजपुर में आयोजित महायज्ञ में उन्होंने हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई।

जगद्गुरु ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि उनके रहते कोई भी हिंदुओं को नुकसान नहीं पहुंचा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे कोई सामान्य व्यक्ति नहीं हैं। भगवान राम के लिए वे सब कुछ त्यागने को तैयार हैं।

21 से 27 फरवरी तक चले इस महायज्ञ में उन्होंने यह भी इशारा किया कि

आचार्य जो करें, उन्हें करने दिया जाए। उनका कहना था कि अगर कोई उनके बयान से नाराज है, तो नाराज होता रहे। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मैहर जिले की प्रभारी मंत्री आज सामूहिक कन्या विवाह में शामिल होंगी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह 1 मार्च को दोपहर 12 बजे नगरपालिका मैहर द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह समारोह में सहभागिता करने के पश्चात दोपहर 2.30 बजे मैहर से सिंगरौली के लिए प्रस्थान करेंगी।

स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती पर आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल हुई राज्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने शुक्रवार को रैगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत हाटी में स्वामी विवेकानंद जी 163वीं जयंती पर आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल होकर खेल प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया।

राज्यमंत्री बागरी ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह टीम

वर्क, अनुशासन और आत्मविश्वास को भी मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को आगे बढ़ने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर प्रदान करती हैं। राज्यमंत्री ने सभी युवा खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

चालू माह की शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर फोकस करें

कलेक्टर मैहर ने की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शुक्रवार को मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा में कहा कि सभी विभाग के अधिकारी चालू माह में प्राप्त शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर फोकस करें। कोई भी शिकायत किसी स्तर पर नाट-अटेंड नहीं रहनी चाहिए। कलेक्टर ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, समय-सीमा पत्रको एवं सामयिक विषयों पर समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, डॉ. आरती सिंह, उपसंचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह, सीईओ जनपद प्रतिपाल बागरी, ओपी अस्थाना, एमएल प्रजापति, सीएमओ नगर पालिका सुषमा मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के 50 दिवस से अधिक के प्रकरणों पर भी विशेष ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि चालू माह का कोई भी प्रकरण फोर्स क्लोज नहीं किया जाए। समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन में ऊर्जा विभाग के 250, खाद्य 367, उच्च शिक्षा 8, कुटीर ग्रामोद्योग 8, पंचायत एवं ग्रामीण विकास 504, नगरीय विकास 200, परिवहन 4, जल संसाधन 140, योजना आर्थिक 15 और राजस्व के 372 प्रकरण लंबित पाए गए। कलेक्टर ने विभागवार निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने बैंक से संबंधित नॉट अटेण्ड शिकायतों पर बैंक के प्रमुख अधिकारियों को पत्र लिखने के निर्देश भी दिए।

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा में कलेक्टर ने मैहर जनपद के 20 ग्राम, अमरपाटन के 4 और रामनगर के 11 चयनित ग्रामों में सर्वे कार्य के दौरान और अब तक की प्रगति की जानकारी जनपदवार और ग्रामवार प्राप्त की। उन्होंने प्रति सप्ताह प्रगति की समीक्षा के लिए एक अतिरिक्त कालम बनाने के निर्देश दिए। जन आकांक्षा पोर्टल पर संधारित टीएल पत्रको की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने यूजर नेम, पासवर्ड से टीएल पत्रों के जवाब पोर्टल पर स्वयं दर्ज करेंगे। इसके साथ ही संबंधित आवेदकों को कृत कार्यवाही से लिखित में सूचित भी करें। टीएल की बैठक में सीएमओ, प्रभारी मंत्री एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों पर की गई कार्यवाही की जानकारी भी ली गई। अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह ने विधानसभा प्रश्नों के उत्तर और जनप्रतिनिधियों के पत्रों पर की गई कार्यवाही के जवाब समय पर शीघ्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।

राज्य स्तरीय खादी उत्सव 2025 की प्रदर्शनी का चित्रकूट में शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य स्तरीय खादी उत्सव 2025 के तहत खादी वस्त्रों एवं ग्रामोद्योग सामग्री की प्रदर्शनी एवं विक्रय का शुभारंभ शुक्रवार को सतना जिले के चित्रकूट में लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह परिसर सिरसावन रोड चित्रकूट में किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार एवं नगर पंचायत अध्यक्ष चित्रकूट साधना पटेल के मुख्यातिथ्य में किया गया।

खादी तथा ग्रामोद्योग के जिला प्रबंधक सत्यसागर ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी 28 फरवरी से 11 मार्च तक चलेगी। प्रतिदिन प्रदर्शनी प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी।

अंतर्राष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता 2025 हेतु आवेदन 10 मार्च तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अधीक्षक डाकघर द्वारा बताया गया है कि भारतीय डाक विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 9 से 15 वर्ष आयु तक के छात्र-छात्राओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए आवेदन पत्र संभाग के प्रवर/अधीक्षक डाकघर को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10 मार्च 2025 है। प्रतियोगिता के अंतर्गत छात्र-छात्राएँ अंग्रेजी अथवा हिन्दी भाषा में पत्र लेखन कर सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता संभागीय स्तर पर 16 मार्च 2025 को प्रातः 10 बजे से प्रातः 11 बजे तक आयोजित की जाएगी। परिमंडल स्तर पर प्रथम तीन विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 25 हजार, 10 हजार एवं 5 हजार तथा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः रु. 50 हजार, 25 हजार एवं 10 हजार तथा एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन विजेता प्रविष्ठियों को चयनित करेगा तथा सर्वोत्तम 3 प्रविष्ठियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक तथा प्रमाण पत्र प्रदाय किया जायेगा। विस्तृत जानकारी भारतीय डाक विभाग की बेवसाइट पर उपलब्ध है।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम उचेहरा, मैहर और सतना में आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत जनपद पंचायत उचेहरा में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 1 मार्च को महाराज रामदेव सिंह जूदेव स्टेडियम उचेहरा में सुबह 9 बजे से किया जा रहा है। जनपद सीईओ प्रभा टेकाम ने बताया कि सांसद श्री गणेश सिंह और विधायक नागौद श्री नागेन्द्र सिंह के मुख्यातिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, जनपद अध्यक्ष अंजू-भागवेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष सुनीता पाल और क्षेत्र के जिला पंचायत, जनपद सदस्य विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

नगर निगम सतना का कार्यक्रम बीटीआई मैदान में: मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत नगर निगम सतना द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 1 मार्च को बीटीआई ग्राउण्ड कोलगवां थाना के सामने सतना में प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है।

मैहर में पटेल मैरिज गार्डन में होगा कार्यक्रम: मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत नगर पालिका मैहर द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन 1 मार्च को पटेल मैरिज गार्डन, कटनी रोड मैहर में प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी मैहर सुषमा मिश्रा ने बताया कि मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह और सांसद सतना गणेश सिंह के मुख्यातिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, उपाध्यक्ष शीतल नितिन ताम्रकार विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

क्षमता संवर्धन के लिए 30 लोक सेवकों का प्रशिक्षण 5 एवं 6 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण पर क्षमता संवर्धन के लिए जिले के 30 लोक सेवकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण 5 एवं 6 मार्च को प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक ई-दक्ष केन्द्र में आयोजित किया जायेगा। अपर कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार इस दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण में नायब तहसीलदार जैतवारा, रामपुर बघेलान, मझगवां, तहसीलदार बिरसिंहपुर, सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मझगवां, सतना, बाल विकास परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग उचेहरा, सोहावल, कोटर, सतना एक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंचायत एवं ग्रामीण विकास मझगवां, रामपुर बघेलान, प्रभारी एसबीएम शाखा जिला पंचायत सतना, प्रभारी मनरेगा, प्रभारी पीएमएवाय, प्रभारी एनआरएलएम, कनिष्ट आपूर्ति अधिकारी खाद्य आपूर्ति विभाग मझगवां, नागौद, उचेहरा, कनिष्ट अभियंता ऊर्जा विभाग कोलगवां, उचेहरा, रामपुर बघेलान, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी नागौद, चित्रकूट, प्रभारी सीएम हेल्पलाइन सतना, लोक स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सहायक यंत्री सिविल नगर निगम तथा उप यंत्री पेयजल नगर निगम सतना ई-दक्ष केन्द्र में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

लोकसभा निर्वाचन में अधिग्रहित वाहनों के मालिक बैंक खाता की जानकारी दो दिन में उपलब्ध करायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए निर्वाचन कार्य के लिए अधिग्रहित किये गये बसों/चार पहिया वाहनों के वाहन मालिकों के बैंक खाता नम्बर उपलब्ध न होने के कारण वाहन किराया भुगतान नहीं हो पा रहा है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे ने कहा है कि वाहन मालिक दो दिवस के अंदर जिला निर्वाचन कार्यालय कलेक्ट्रेट सतना कमरा नम्बर जी-31 में उपस्थित होकर बैंक का नाम, खाता क्रमांक के साथ-साथ आईएफएससी कोड की जानकारी उपलब्ध करायें। ताकि वाहनों के किराया राशि का भुगतान किया जा सके।

प्रभारी मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री तथा मैहर जिले की प्रभारी मंत्री राधा सिंह ने शुक्रवार को जिले के प्रवास के दौरान पुलिस अधीक्षक मैहर सुधीर अग्रवाल के निवास पर जाकर उनकी माताजी के निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान आईजी रीवा साकेत प्रकाश पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह भी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683 प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।